RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 बिना फायदे वाली चीज पर...

वर्ष : 27 अंक : 158 website:www.chetnamanch.com नोएडा, बृहस्पतिवार, 29 मई, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

पीओके एक दिन हमारा होकर ही रहेगा : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने साफ-साफ कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला जम्मू-कश्मीर एक दिन हमारा होकर ही रहेगा। पाकिस्तान से सिर्फ आतंकवाद और पीओके के मुद्दे पर ही होगी।

रक्षा मंत्री ने कहा कि आपने देखा कि कैसे हमने पहले आतंकी ठिकानों को नष्ट किया और फिर दुश्मन के सैन्य ठिकानों और एयरबेसों को। 'करने को हम कुछ और भी कर सकते थे', लेकिन हमने दुनिया के सामने शक्ति और संयम के समन्वय का एक बेहतरीन उदाहरण पेश किया। राजनाथ सिंह भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन-2025 में बोल रहे थे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' में पूरे देश के लोगों ने मेक इन इंडिया अभियान की सफलता को देखा, समझा और महसूस किया है। आज यह साबित हो गया है कि मेक इन इंडिया भारत की सुरक्षा और समृद्धि दोनों के लिए

महत्वपूर्ण है। मेक इन इंडिया भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा का एक अनिवार्य घटक है। अगर हमारे पास यह क्षमता नहीं होती, तो भारत की सेनाएं निचले पाकिस्तान से लेकर पीओके तक आतंकवाद के खिलाफ इतनी प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पातीं।

राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकवाद का कारोबार चलाना लागत प्रभावी नहीं है। आज पाकिस्तान को एहसास हो गया है कि उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। हमने आतंकवाद के खिलाफ भारत की रणनीति और प्रतिक्रिया दोनों को नया स्वरूप दिया है। हमने पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों और बातचीत के दायरे को नए सिरे से निर्धारित किया है। अब जब भी बातचीत होगी, तो वह सिर्फ आतंकवाद और पीओके पर होगी। मेरा मानना है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के लोग हमारे अपने हैं, हमारे परिवार का हिस्सा हैं। हम 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के संकल्प के प्रति प्रतिबद्ध हैं। हमें पूरा विश्वास है कि हमारे जो भाई आज भौगोलिक और राजनीतिक रूप से हमसे अलग हो गए हैं, वे भी किसी न किसी दिन भारत की मुख्यधारा में लौट आएंगे।

कुख्यात अपराधी नवीन मुठभेड़ में ढेर

लॉरेंस बिश्नोई का शार्प शूटर था नवीन

हापुड़ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश एसटीएफ (नोएडा यूनिट) और दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मुठभेड़ के दौरान थाना कोतवाली क्षेत्र में कुख्यात बदमाश व लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शार्प शूटर नवीन कुमार को ढेर कर दिया।

शातिर अपराधी नवीन दिल्ली के फर्श बाजार थाना क्षेत्र में हत्या और मकोका जैसे संगीन मामलों में वांछित था। उसके खिलाफ दिल्ली और उत्तर प्रदेश में हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण, डकैती और मकोका के तहत कुल 20 आपराधिक मुकदमे दर्ज थे। इतना ही नहीं, दिल्ली के दो मामलों में उसे कोर्ट से सजा भी मिल चुकी थी, लेकिन वह जमानत पर रिहा होकर दोबारा अपराध की दुनिया में

सक्रिय हो गया था।

वह कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सक्रिय सदस्य था और गैंग के नजदीकी गुर्गे हाशिम बाबा के साथ मिलकर संगठित अपराधों को अंजाम देता था। पुलिस के मुताबिक, उसकी गिरफ्तारी को लेकर लंबे समय से निगरानी की जा रही थी। पुख्ता सूचना मिलने पर संयुक्त ऑपरेशन को अंजाम दिया गया।

मुठभेड़ के दौरान नवीन ने खुद को बचाने के लिए पुलिस टीम पर गोलियां चलाईं, लेकिन जवाबी कार्रवाई में वह ढेर कर दिया गया। पुलिस ने मौके से हथियार भी बरामद किए हैं।

पांच शातिर वाहन चोर दबोचे, 21 दोपहिया वाहन बरामद

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-113 पुलिस ने बीती रात को एक सूचना के आधार पर पांच वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरों के कब्जे से 21 दोपहिया वाहन बरामद किये हैं। पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) यमुना प्रसाद ने बताया कि थाना सेक्टर-113 पुलिस ने आज सुबह को एक सूचना के आधार पर पांच बदमाशों मोहित सिंह पुत्र राम सिंह उम्र 19 वर्ष, ओमवीर कुमार पुत्र राजू वर्मा उम्र 19 वर्ष, आकाश सिंह पुत्र मनमोहन सिंह उम्र 21 वर्ष, रोहित कुमार पुत्र राजेंद्र कुमार उम्र 28 वर्ष तथा आनंद कुमार पुत्र परमेसी दयाल उम्र 23 वर्ष को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि उनकी निशानदेही पर पुलिस ने विभिन्न जगहों से चोरी की हुई 19 बाइक और दो स्कूटी बरामद किया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार बदमाश इससे पूर्व भी कई बार जेल जा चुके हैं। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि ये लोग एनसीआर से वाहन चोरी करने के बाद उसके फर्जी दस्तावेज बनाकर लोगों को बेच देते थे।

6 दिन से किशोर लापता

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-दो क्षेत्र से 6 दिन पूर्व एक (12 वर्षीय) किशोर लापता हो गया है। अभी तक पुलिस उसका कोई सुराग नहीं लगा पाई है।

थाना फेस-2 के प्रभारी निरीक्षक विंध्याचल तिवारी ने बताया कि श्रीमती धनवंती देवी ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह सेक्टर-110 में रहती हैं। पीड़िता के अनुसार उनका 12 वर्षीय देवर ललन 24 मई से बिना बताए घर से कहीं चले गये। उन्होंने बताया कि महिला की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मुठभेड़ में दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

कब्जे से मोटर साइकिल, तमंचा तथा कारतूस बरामद

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेज-2 पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की स्पलेंडर मोटर साइकिल, अवैध तमंचा आदि बरामद किए हैं। एक बदमाश पुलिस की गोली से लंगड़ा हो गया जिसे अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है।

थाना फेस-2 नोएडा पुलिस द्वारा सेक्टर-81 के पास चेकिंग की जा रही थी, तभी चेकिंग के दौरान संदिग्ध प्रतीत हो रही एक मोटरसाइकिल पर सवार 2 व्यक्तियों को रूकने का इशारा किया गया जिसपर मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति रूकने के बजाय मोटरसाइकिल को तेजी से चलाते हुए ककराला ईदगाह की ओर भागने लगे। पुलिस टीम द्वारा उपरोक्त बाइक सवार बदमाशो का पीछा किया गया तो ईदगाह के पास बदमाश स्वयं को घिरता देखकर पुलिस

टीम पर फायरिंग करते हुए कच्चे रास्ते पर भागने लगे। पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ की गयी जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश को गोली लगने के कारण घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया जिसकी पहचान मुकेश पुत्र रामस्वरूप उर्फ हरस्वरूप ग्राम मांठ मूला, थाना मांठ जनपद मथुरा मूल पता ग्राम मीरपुर दहोड़ा, थाना पिसावा, जनपद अलीगढ़ (39 वर्ष) के रूप में हुयी है। घायल बदमाश के पास से 01 अवैध तमंचा .315 बोर मय नाल में फंसा 1 खोखा कारतूस व (शेष पृष्ठ-4 पर)

नोएडा में 96 करोड़ से दूर होगा बिजली संकट!

नोएडा। नोएडा में बिजली संकट से निजात दिलाने और विद्युत आपूर्ति को दुरुस्त करने के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 96.60 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी गई है।

इस बजट से पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित 446 विद्युत परियोजनाओं को गति दी जाएगी। इन परियोजनाओं के अंतर्गत शहर की बिजली व्यवस्था को मजबूत करने के लिए विभिन्न कार्य किए जाएंगे। बजट से नए विद्युत उपकेंद्रों का निर्माण, नई हाईटेंशन और लो-टेंशन लाइनों की स्थापना, पुरानी विद्युत लाइनों का नवीनीकरण, बिजली खंभों की मरम्मत और प्रतिस्थापन किया

जायेगा। पीवीवीएनएल द्वारा प्रस्तावित इस बजट को मुख्यालय से औपचारिक मंजूरी मिल चुकी है, जिससे अब इन परियोजनाओं को जल्द ही अमल में लाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

प्रशासन का मानना है कि इन परियोजनाओं के पूरा होने से न केवल वर्तमान संकट का समाधान होगा, बल्कि आने वाले समय में बिजली से जुड़ी समस्याएं काफी हद तक खत्म हो जाएंगी।

करीब 106 करोड़ की लागत से विकसित होगा सेक्टर-145

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण करीब 106 करोड़ रूपये की लागत से सेक्टर-145 को विकसित करेगा। विकास के कुछ कार्य यहां शुरू भी कर दिए गए हैं। बाकी मुख्य कार्य सीईओ की मंजूरी के बाद शुरू होंगे। बता दें कि सेक्टर-145 में 5 प्रतिशत के करीब 2000 भूखंड भी शामिल हैं। प्राधिकरण ने यहां अपना साइट ऑफिस भी बना लिया है।

प्राधिकरण के अधिकारियों के मुताबिक प्रथम चरण में यहां सड़कों का आधारभूत ढांचा विकसित किया जाएगा। इस पूरे सेक्टर में करीब 18 किमी की सड़क बनाई जाएगी। वर्तमान में यहां 2.3 किमी सड़क बना दी गई है। सड़क वाहनों के लिहाज से चौड़ी है। इसके अलावा सीवर पानी और जल निकासी के लिए 34 किमी का ड्रेनेज सिस्टम बनाया जा रहा है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक जून के प्रथम सप्ताह में

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक जून के पहले सप्ताह में प्रस्तावित है। इस बोर्ड बैठक को लेकर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने सभी विभागों को तैयारी पूरी रखने के निर्देश दिए हैं।

सीईओ ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि वह बोर्ड बैठक से जुड़े प्रस्ताव तैयार रखें। मालूम हो कि इस बोर्ड बैठक में करीब 20 एजेंडे रखे जाएंगे। जिनमें प्रमुख तौर पर मिक्स लैंड यूज पॉलिसी के बदलाव का प्रस्ताव रहेगा। इसके अलावा अमिताभ कांत समिति की सिफारिश पर

नौएडा
एक उत्कृष्ट क्षेत्र

बनी जीरो पीरियड पॉलिसी में फ्लैट खरीदारों की दृष्टि से जुड़ी स्टेटस रिपोर्ट, नोएडा इंटरनेट इंटरनेशनल एयरपोर्ट को दिए जाने वाले फंड, स्पोर्ट्स सिटी की स्टेटस रिपोर्ट तथा किसानों से जुड़े कई मुद्दे भी प्रमुख रूप से रखे जाएंगे। सीईओ के निर्देश पर सभी विभागों ने बोर्ड बैठक की तैयारी शुरू कर दी है।

ग्रीन पार्क की तर्ज पर होगा नोएडा क्रिकेट स्टेडियम का स्वरूप

नोएडा (चेतना मंच)। करोड़ों की लागत से बने तथा अत्याधुनिक सुविधाओं से वंचित चल रहे नोएडा स्टेडियम में भी भविष्य में कानपुर के ग्रीन पार्क क्रिकेट स्टेडियम जैसी सुविधाएं व रखरखाव देखने को मिलेगा। इसके लिए नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने ओएसडी महेन्द्र प्रसाद, डीजीएम (सिविल) विजय रावल तथा वर्क सर्किल=2 एवं 3 के प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक कपिल सिंह को कानपुर ग्रीन पार्क का निरीक्षण करने भेजा।

अधिकारियों का कहना है कि शीघ्र ही ग्रीन पार्क की तर्ज पर

नोएडा स्टेडियम का संचालन किए जाने की योजना बनाई जाएगी। कानपुर के क्रिकेट म्यूजियम की तर्ज पर नोएडा में भी क्रिकेट म्यूजियम बनाने पर मंथन चल रहा है।

प्राधिकरण की टीम ने कानपुर में जाकर ग्रीन पार्क में क्रिकेट स्टेडियम, रेस्टोरेंट, लाउन्ज का निरीक्षण किया। इसके अतिरिक्त कानपुर में (शेष पृष्ठ-4 पर)

अब नोएडा में जाम से मिलेगी निजात

आबोहवा के अलावा सड़कों का सुधार व अन्य विकास होंगे

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण अब 300 करोड़ की लागत से शहर की आबोहवा के साथ-साथ आमूल चूल परिवर्तन करेगा। इसके लिए नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत केन्द्र सरकार नोएडा को 300 करोड का फंड देगा। इसमें से करीब 60 करोड़ की रकम ली भी जा चुकी है।

इस फंड का इस्तेमाल शहर की सड़कों की चौड़ीकरण में भी किया जाएगा। जिसके तहत दस करोड़ रुपये से शहर की सड़कों की रिसरफेसिंग की जाएगी। सात करोड़ रुपये सेक्टर-62 अंडरपास से लेकर मामूरा तक सड़क चौड़ीकरण, फुटपाथ व सर्विस रोड की चौड़ाई बढ़ाने पर खर्च होगा। छिजासरी से एफएनजी गोल चक्कर तक सड़क चौड़ीकरण पर पांच करोड़ खर्च करने की

योजना है। इसका टेंडर निकाला गया है। छिजारसी के पास ही सेक्टर-63 की भूखंड संख्या एच-10 से एच-20 तक सड़क की दोनों तरफ चौड़ाई 1 मीटर बढ़ाई जाएगी।

इन सभी काम पर 5 करोड़ 62 लाख 21 हजार 668 रुपये का खर्चा आना अनुमानित है। जो कंपनियां यह काम करना चाहती हैं, उनको 5 जून तक आवेदन करना होगा। प्राधिकरण सीईओ डा लोकेश एम ने कहा कि 300 करोड़ रुपये एनकैप से (शेष पृष्ठ-4 पर)

पूर्व प्रधानमंत्री चौ.चरण सिंह को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

किसानों के सच्चे मसीहा थे चौधरी चरण सिंह : देवेन्द्र अवाना

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय सोशलिस्ट मंच के प्रदेश कार्यालय पर पदाधिकारियों ने किसानों के मसीहा पूर्व प्रधानमंत्री चौ. चरण सिंह की पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके जीवन पर विचार गोष्ठी आयोजित की।

इस मौके पर प्रदेश प्रभारी देवेंद्र सिंह अवाना ने कहा कि किसान परिवार से आने वाले चौधरी चरण सिंह देश के पांचवें प्रधानमंत्री थे। भारत रत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री चौ. चरण सिंह देश के ऐसे किसान नेता थे, जिन्होंने देश में किसानों के लिए आवाज बुलंद की थी। उन्हें किसानों का सच्चा मसीहा माना जाता है।

जिलाध्यक्ष देवेंद्र गुर्जर ने कहा कि

गरीबों और किसानों के सच्चे हितैषी पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह को उनकी पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि। राष्ट्र के प्रति उनका समर्पण और सेवाभाव हर किसी को प्रेरित करता रहेगा।

इस मौके उत्तर प्रदेश के प्रभारी देवेन्द्र सिंह अवाना, जिलाध्यक्ष देवेन्द्र गुर्जर, राष्ट्रीय प्रवक्ता चरण सिंह राजपूत, जिला उपाध्यक्ष मौ यामीन, महासचिव, मोहसिन सैफी, उपाध्यक्ष शाहील खान, गुलशन चावला, गौरव मुखिया, रोशन चौधरी, सुरेश, राजकुमारी, शंकर लाल, नदीम शहनवाज आदि उपस्थित रहे।

सामूहिक आत्महत्या

हरियाणा के पंचकूला में उत्तराखंड से आए एक परिवार की सामूहिक आत्महत्या ने हर संवेदनशील व्यक्ति को गहरे तक झकझोर कर रख दिया। एक कार में नाकाम बेटे ने मां-बाप,पत्नी, दो किशोर बेटियों व एक बेटे के साथ जहर खाकर आत्महत्या कर ली। पूरे परिवार के खत्म होने के बाद कुछ समय के लिए जीवित बचे व्यक्ति ने चश्मदीद को बताया कि वह कर्ज में डूब गया था, कोई रास्ता नजर न आता देख सामूहिक आत्महत्या का निर्णय लिया। पुलिस के पहुंचने व चिकित्सीय प्रयासों के बावजूद परिवार में किसी व्यक्ति को बचाया नहीं जा सका। निश्चय ही यह दुखद घटना हर इंसान को उद्वेलित करती है। लेकिन यह भयावह घटना तमाम सवालों को जन्म देती है। आखिर इंसान कैसे सोच लेता है कि आत्महत्या कर लेना संकट का अंतिम समाधान है? जब व्यक्ति में जोखिम से उपजे संकट से जूझने का सामर्थ्य नहीं है तो भारी कर्जा उठाना कितना तार्किक है? महत्वपूर्ण सवाल यह भी कर्ज से हारे व्यक्ति को ये अधिकार किसने दे दिया कि वो अपने साथ दो पीढ़ियों को सदा के लिये खत्म कर दे? कैसे कोई व्यक्ति अपनी नाकामी की सजा मां-बाप, पत्नी व बच्चों को दे सकता है? यह कल्पना करनी भी भयावह है कि अपना अधिकांश जीवन जी चुके मां-बाप, तीन बच्चों को जन्म देने वाली मां तथा सुखी भविष्य की कल्पना के साथ जीवन की पारी की शुरूआत करने वाले बच्चों ने जहर खाना सहज स्वीकारा होगा। यदि उन्हें यह जहर बिना बताए भी दिया गया होगा तो भी जहर की पीड़ा ने उन्हें तड़फाया भी होगा। अकसर ऐसे मामलों में पूरे परिवार को मौत की राह में ले जाने वाले आत्मघाती व्यक्ति के मन में यह भय भी होता है कि उसके जाने के बाद उसके परिवार का क्या होगा? कहीं उसके लिये कर्ज की सजा परिवार को तो नहीं मिलेगी? निस्संदेह, एक परिवार का यूं जहर खाकर आत्महत्या करना हमारी सामाजिक व्यवस्था में आई विद्रूपताओं की ओर इशारा करता है। जिस भी बैंक या व्यक्ति से आत्महत्या करने वाले परिवार के मुखिया ने कर्ज लिया था, निश्चय ही वहां से उसे किसी भी तरह की राहत की उम्मीद नजर नहीं आई होगी। लेकिन सवाल उठता है कि क्या उसे अपने मित्रों व रिश्तेदारों से भी किसी राहत की उम्मीद नहीं थी? कहा जाता है कि पड़ोसी व मित्र ही संकट के समय में मददगार होते हैं। तो क्या माना जाना चाहिए कि आज हमारे रिश्ते महज दिखावे के रह गए हैं? आखिर विवाह समारोह समेत तमाम अवसरों पर जुटने वाली लोगों की भीड़ केवल महज खाने-पीने तक की ही दोस्त होती है? क्या नैतिक दायित्व नहीं बनता कि संकट में फंसे व्यक्ति के नाते रिश्तेदार या मित्र मदद करें? बहरहाल, गत सोमवार को घटी घटना के सभी तथ्य सामने आने में अभी वक्त लगेगा और घटनाक्रम से जुड़ी अन्य जानकारियां भी सामने आएंगी। लेकिन यह एक हकीकत है कि एक कर्ज से हारा हंसता-खेलता परिवार हमेशा-हमेशा के लिये चिरनिद्रा में सो गया है। लेकिन यह दुखांत हमें कई सबक दे गया है। पहला तो यही कि हमें कर्ज उसी सीमा तक लेना चाहिए, जिस सीमा तक हम चुकाने की सामर्थ्य रख सकें। कोई भी जोखिम यदि हम व्यापार में उठाएं तो उसके तमाम नकारात्मक पहलुओं पर जरूरी विचार करें। उसके बुरे से बुरे परिणाम के बारे में आकलन करें। दूसरा सबक यह है कि हमारे सामने संकट कितना भी बड़ा क्यों न हो, हमें हार नहीं माननी चाहिए। यह भी कि खुद व परिवार को मौत के मुंह में धकेलना किसी समस्या का समाधान नहीं है। आज की पीढ़ी जल्दी मोटा मुनाफा कमाने की होड़ में बड़े कर्ज लेकर दांव तो खेलती है,लेकिन जरूरी नहीं हर जोखिम लाभदायक ही साबित हो। हमें अपनी सामर्थ्य और देशकाल परिस्थितियों का पूरा आकलन करके ही कदम उठाना चाहिए। यह भी हकीकत है कि नई पीढ़ी में वह धैर्य व संयम धीरे-धीरे कम होता जा रहा है, जो हमें संकट से जूझने का सामर्थ्य देता था। कभी संयुक्त परिवार हमें ऐसे संकट से निबटने की ताकत ही नहीं देते थे, बुरे वक्त में मदद भी करते थे। हमें ऐसे तमाम पहलुओं पर विचार जरूर करना चाहिए।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि हे राजन! वह युक्ति तो मेरे हाथ है, पर मेरा जाना तुम्हारे नगर में हो नहीं सकता। जब से पैदा हुआ हूँ, तब से आज तक मैं किसी के घर अथवा गाँव नहीं गया॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

जौं न जाउँ तव होइ अकाजू। बना आइ असमंजस आजू॥
सुनि महीस बोलेउ मृदु बानी। नाथ निगम असि नीति बखानी॥

परन्तु यदि नहीं जाता हूँ, तो तुम्हारा काम बिगड़ता है। आज यह बड़ा असमंजस आ पड़ा है। यह सुनकर राजा कोमल वाणी से बोला, हे नाथ! वेदों में ऐसी नीति कही है कि- ॥

बड़े सनेह लघुन्ह पर करहीं। गिरि निज सिरनि सदा तृन धरहीं॥
जलधि अगाध मौलि बह फेनू। संतत धरनि धरत सिर रेनू॥

बड़े लोग छोटों पर स्नेह करते ही हैं। पर्वत अपने सिरों पर सदा तृण (घास) को धारण किए रहते हैं। अगाध समुद्र अपने मस्तक पर फेन को धारण करता है और धरती अपने सिर पर सदा धूलि को धारण किए रहती है॥

दो0-अस कहि गहे नरेस पद स्वामी होहु कृपाल।
मोहि लागि दुख सहिअ प्रभु सज्जन दीनदयाल॥

ऐसा कहकर राजा ने मुनि के चरण पकड़ लिए। (और कहा-) हे स्वामी! कृपा कीजिए। आप संत हैं। दीनदयालु हैं। (अतः) हे प्रभो! मेरे लिए इतना कष्ट (अवश्य) सहिए॥

(क्रमशः....)

आज़ादी का अमृत काल और चौधरी चरण सिंह की नीतियाँ

जोगिंदर सिंह अवाना

भारत ने जब 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता प्राप्त की, तब देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती थी- किसानों और ग्रामीण भारत को सशक्त बनाना। इस दिशा में चौधरी चरण सिंह का योगदान अतुलनीय रहा। आज, जब भारत आज़ादी का अमृत काल मना रहा है, चौधरी साहब की नीतियाँ और विचारधारा पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गई हैं। भारतीय राजनीति में यदि किसी नेता ने देश की आत्मा कहे जाने वाले किसान को केंद्र में रखा और ग्रामीण भारत की वास्तविकता को नीति निर्माण की प्राथमिकता बनाया, तो वह थे चौधरी चरण सिंह। उन्हें न केवल किसानों के मसीहा के रूप में जाना जाता है, बल्कि एक ऐसे दूरदर्शी नेता के रूप में भी याद किया जाता है, जिन्होंने सादगी, सत्यनिष्ठा और लोकहित को अपने जीवन का उद्देश्य बनाया। उनकी नीतियाँ और दृष्टिकोण आज भी भारतीय राजनीति में प्रासंगिक हैं, विशेषकर वर्तमान मोदी युग में, जहाँ कृषि और ग्रामीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसंबर 1302 को उत्तर प्रदेश के मेरठ ज़िले के नूरपुर गांव में हुआ था। उनके पिता एक साधारण किसान थे, और यही साधारणता उनके जीवनभर की पहचान बनी रही। बचपन में ही उन्होंने खेत की जुताई, हल चलाना, बैलों को संभालना और बरसात में बुआई जैसे कार्य किए। गाँव की कच्ची पगडंडियों और संघर्षपूर्ण जीवन ने उन्हें यथार्थ से जोड़ा और उनके अंदर किसान के दुख-दर्द की गहरी समझ विकसित की। एक बार जब गाँव में सूखा पड़ा था, तो उनके पिता ने घर की एकमात्र गाय बेच दी ताकि खेत के बीज खरीदे जा सकें। यह घटना उनके मन में गहराई तक समा गई और उन्होंने जीवनभर किसानों की आर्थिक मजबूती को अपनी राजनीति का ध्येय बना लिया। चरण सिंह का राजनीतिक जीवन स्वतंत्रता संग्राम से ही प्रारंभ हो गया था। वे महात्मा गांधी से अत्यंत प्रभावित थे और भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस आंदोलन के दौरान उन्हें जेल भी जाना पड़ा। 1937 में वे उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्य चुने गए। यह वही समय था जब भारत की राजनीति में किसान-मजदूर प्रश्नों को गंभीरता से उठाया जा रहा था। लेकिन अधिकतर नेता इन प्रश्नों को केवल भाषणों तक सीमित रखते थे। चरण सिंह ने इन्हें अपने जीवन का मिशन बना लिया।

भारत की आजादी के बाद चौधरी चरण सिंह ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे कृषि मंत्री के रूप में कार्यरत रहते हुए उन्होंने किसानों की दशा सुधारने के लिए कई क्रांतिकारी कदम उठाए। उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि रही उत्तर प्रदेश जमींदारी उन्मूलन और भूमि सुधार अधिनियम, 1950। इस अधिनियम के माध्यम से उन्होंने जमींदारी प्रथा को समाप्त कर दिया और किसानों को उनकी भूमि का वास्तविक स्वामी बनाया। यह केवल एक कानूनी सुधार नहीं था, यह ग्रामीण भारत की संरचना को बदल देने वाला परिवर्तन था। चौधरी चरण सिंह जी का मानना था कि मैं एक किसान का बेटा हूँ, और मेरा पहला कर्तव्य है -किसान की सेवा। मैं जब तक जीवित हैं, उनकी आवाज़ बनकर बोलता रहूँगा। इसके बाद उन्होंने भूमि धारण अधिनियम, 1960 और %कर्ज मुक्ति विधेयक, 19397 जैसे विधेयकों की पहल की। इनसे किसानों को शोषण से मुक्ति और आर्थिक सुरक्षा प्राप्त हुई। उनकी नेतृत्व क्षमता और जनसमर्थन के बल पर वह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने सिंचाई, ग्रामीण सड़कों, बिजली, कृषि ऋण, बीज वितरण, कृषि बाजार सुधार और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में व्यापक सुधार किए। उनका यह कार्यकाल भारतीय राजनीति में लोकहित के लिए समर्पित कार्यशैली का आदर्श उदाहरण बन गया। 1960 के दशक के उत्तरार्ध में जब वे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने, उन्होंने प्रशासन में कठोरता और ईमानदारी का परिचय दिया। एक बार जब उनकी ही पार्टी के नेताओं ने अनुशासनहीनता दिखाई और भ्रष्टाचार में लिप्त पाए गए, तो उन्होंने बिना झिझक मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा था, मुझे कुर्सी नहीं, अपनी आत्मा की शांति चाहिए। यह दर्शाता है कि वे पद के पीछे नहीं, उस पद की गरिमा के पीछे चलते थे।

1979 में चौधरी चरण सिंह को भारत का

पांचवां प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिला। यद्यपि उनका कार्यकाल केवल महीने का रहा, लेकिन इस दौरान उन्होंने कई दूरगामी निर्णय लिए। उन्होंने कृषि को केंद्र में रखकर योजनाएँ बनाई। विशेष रूप से, ग्रामीण ऋण माफी, कृषि विपणन में सुधार, कृषि मूल्य नीति, और ग्रामोदय की अवधारणा को आगे बढ़ाया। 15 अगस्त 1979 को, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी ने लाल किले से राष्ट्र को संबोधित किया। उनका यह भाषण किसानों, ग्रामीण विकास, भ्रष्टाचार, और सामाजिक न्याय पर केंद्रित था। उन्होंने गांधीवादी जीवनशैली को अपनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने पर जोर दिया। उन्होंने अपने भाषण में कहा- हमारे किसान खेतों में पसीना बहाते हैं, तभी हमारे शहरों में रोटियाँ पकती हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत की आत्मा गाँवों में बसती है। जब तक गाँव समृद्ध नहीं होगा, देश विकास के पथ पर नहीं बढ़ सकता। भ्रष्टाचार और बेरोजगारी हमारे समाज के लिए गंभीर चुनौतियाँ हैं। हमें ईमानदारी, पारदर्शिता, और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को अपनाकर इन समस्याओं का समाधान करना होगा। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलना चाहिए। इसके लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। इस भाषण में उन्होंने ग्राम स्वराज, सिंचाई व्यवस्था, सहकारी समितियों की मजबूती, और कृषि शिक्षा पर बल दिया। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने गाँव लौटें और कृषि को सम्मानजनक व्यवसाय बनाएं।

चौधरी चरण सिंह के जीवन में सादगी और ईमानदारी एक विशेष स्थान रखती थी। वे दिखावे से कोसों दूर रहते थे। जब वह प्रधानमंत्री बने, तब भी उनके जीवन में कोई भौतिक परिवर्तन नहीं आया। उन्होंने हमेशा अपने कार्यों को ही अपना परिचय बनाया। उनके एक संस्मरण में उनके निजी सचिव ने बताया कि एक बार प्रधानमंत्री निवास में किसी बैठक में विदेशी प्रतिनिधि आए थे, तब चरण सिंह ने बिना किसी औपचारिकता के उन्हें बैठाकर चाय पिलाई और खेतों की चर्चा शुरू कर दी। यह उनकी सहजता और आत्मीयता का उदाहरण था। चौधरी चरण सिंह जी का जीवन अत्यंत सादा था। वे खादी पहनते थे और दिखावे से दूर रहते थे। प्रधानमंत्री बनने के बाद भी उन्होंने अपने जीवनशैली में कोई बदलाव नहीं किया। एक बार एक पत्रकार ने उनसे पूछा, आप प्रधानमंत्री होते हुए भी इतनी सादगी से क्यों रहते हैं? उन्होंने उत्तर दिया, मैं किसानों का प्रतिनिधि हैं; उनका जीवन सादा है, तो मेरा भी होना चाहिए। एक बार जब वे दिल्ली में केंद्रीय मंत्री बने, तो उनके सरकारी आवास में सोफा, पर्दे और कालीन नहीं थे। जब किसी ने पूछा तो उन्होंने कहा, किसान का बेटा हूँ। फर्श पर चटाई ही पर्याप्त है। वे संसद में अंग्रेजी नहीं बोलते थे, जबकि वे शिक्षित थे। उनका मानना था कि आम जनता की भाषा में बात की जाए। उन्होंने एक बार संसद में कहा, मेरी हिंदी किसानों की हिंदी है, और वहीं मेरी ताक़त है। उन्होंने अपने बेटे अजित सिंह को कभी राजनीतिक संरक्षण नहीं दिया। वे चाहते थे कि अजित अपनी योग्यता से आगे बढ़े।

चौधरी चरण सिंह की राजनीति की जड़ें भारत की मिट्टी में थीं वह मिट्टी, जिसमें किसान का पसीना, उसकी मेहनत और उसके स्वाभिमान की महक समाई है। उनके लिए राजनीति सत्ता नहीं, सेवा का माध्यम थी, और इस सेवा का केंद्रबिंदु था भारत का अन्नदाता। उन्होंने ज़मींदारी प्रथा के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी और भूमि सुधारों के जरिए किसानों को जमीन का मालिक बनाकर उन्हें आत्मनिर्भरता की राह पर अग्रसर किया। उनका मानना था कि जब तक किसान आर्थिक रूप से सक्षम नहीं होगा, भारत सशक्त नहीं हो सकता। यह दृष्टिकोण आज नरेंद्र मोदी सरकार की विभिन्न योजनाओं में परिलक्षित होता है, जिसने किसान को सीधे केंद्र में रखकर नीतियाँ बनाई हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार ने चरण सिंह के विचारों को आधुनिक संदर्भ में पुनर्जीवित किया है। पीएम-किसान सम्मान निधि योजना, जिसमें किसानों को हर वर्ष 26,000 की नकद सहायता मिलती है, चरण सिंह की उस सोच की आधुनिक व्याख्या है जिसमें किसान को आर्थिक आत्मनिर्भरता की आवश्यकता बताई गई थी। इसी तरह, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना ने कृषि को जोखिम मुक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। यह उसी विचार को आगे बढ़ाता है कि किसानों को उनके श्रम का समुचित मूल्य और सुरक्षा दी जाए। चरण सिंह ने हमेशा गांवों को भारत की आत्मा माना और उनका विश्वास था कि ग्रामीण भारत को मजबूत किए बिना देश का समुचित विकास असंभव है। यह सोच आत्मनिर्भर भारत अभियान में जीवंत रूप से सामने आती है, जिसमें मोदी सरकार ने कृषि आधारित उद्योगों, स्थानीय कुटीर उद्योगों और ग्रामीण स्टार्टअप्स को बल दिया है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार हेतु प्रेरित करना, चरण सिंह के उस सिद्धांत का ही आधुनिक रूप है जिसमें उन्होंने गांवों को उद्योग और स्वावलंबन का केंद्र बनाने की वकालत की थी।

चौधरी चरण सिंह सहकारिता के बड़े समर्थक थे। उनका मानना था कि सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को सस्ता कर्ज, बीज, उर्वरक और विपणन सुविधा उपलब्ध कराई जा सकती है। मोदी सरकार ने इस विचार को राष्ट्रीय महत्व देते हुए 2021 में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की। सहकारी बैंकों और प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों का डिजिटलीकरण, इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली और किसानों को संस्थागत ढांचे से जोड़कर वित्तीय समावेशन की दिशा में ठोस पहल की गई। चरण सिंह ने फसल की उचित कीमत को किसानों की स्थिरता का आधार बताया था। उन्होंने न्यूनतम समर्थन मूल्य की वकालत की और चाहते थे कि किसान को उसकी उपज का लाभकारी मूल्य मिले। मोदी सरकार ने न केवल न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि की, बल्कि कृषि मंडियों को ई-नाम प्लेटफॉर्म के जरिए डिजिटल बनाकर पारदर्शिता लाई है। किसानों को बाजार से जोड़ने के लिए टेक्नोलॉजी का प्रयोग ठीक वैसा ही है जैसे चरण सिंह ने बिचौलियों के वर्चस्व को तोड़ने का सपना देखा था।

जहाँ चरण सिंह प्रशासनिक ईमानदारी और सीधे संवाद के हिमायती थे, वहीं मोदी सरकार ने डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से सरकारी तंत्र को पारदर्शी और सरल बनाने का प्रयास किया है। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के जरिए किसानों को लाभ सीधे बैंक खाते में पहुंचाया जा रहा है। चरण सिंह हमेशा कहते थे कि किसान के साथ धोखा नहीं होना चाहिए। मोदी सरकार की नीतियाँ इस बात को सुनिश्चित करती हैं कि बिचौलियों की भूमिका समाप्त हो और सहायता सीधे लाभार्थी तक पहुँचे। चरण सिंह खाद्यान्त्र आत्मनिर्भरता को भारत की सुरक्षा से जोड़कर देखते थे। मोदी सरकार ने इस विचार को गरीब कल्याण योजना जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से मूर्त रूप दिया है, जिसमें लाखों गरीब परिवारों को मुफ्त राशन दिया गया। इसके साथ ही उवला योजना और स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाओं ने ग्रामीण जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाया है। यह सभी योजनाएं उस दृष्टिकोण की पुष्टि करती हैं कि जब तक ग्रामीण भारत स्वस्थ और सशक्त नहीं होगा, तब तक भारत प्रगति नहीं कर सकता।

सिर्फ नीतिगत समानता ही नहीं, बल्कि निजी जीवन में भी चरण सिंह और नरेंद्र मोदी के बीच कुछ गहरी समानताएं दिखती हैं। चरण सिंह पद की गरिमा को महत्व देने वाले नेता थे, परंतु उन्होंने कभी भी सरकारी सुविधाओं का लाभ नहीं उठाया। दिल्ली में प्रधानमंत्री रहते हुए भी वे गाँव के साधारण किसान की तरह जीते थे। नरेंद्र मोदी भी एक सादा जीवन जीने वाले प्रधानमंत्री के रूप में प्रस्तुत होते हैं जो योग, आत्मानुशासन, स्वदेशी वस्तुओं और मिट्टी से जुड़ाव का संदेश देते हैं। प्रधानमंत्री मोदी बार-बार अपने भाषणों में कहते हैं, मैं भी किसान के घर में जन्मा हूँ, जो सीधे चरण सिंह के किसान का बेटा किसान की बात करेगा वाली भावना से जुड़ता है।

निष्कर्षत: कहा जा सकता है कि चौधरी चरण सिंह की राजनीति, विचार और जीवन शैली ने भारत की कृषि आधारित नीति निर्माण में जो बीज बोए थे, मोदी सरकार ने उन्हें आधुनिक तकनीकी, प्रशासनिक और वैश्विक संदर्भ में सींचा और विकसित किया है। यह एक विचार की निरंतरता है-जहाँ मूल भावना वही है, लेकिन प्रस्तुति, माध्यम और औजार आधुनिक हो गए हैं। जैसे चरण सिंह ने कहा था, किसान ही भारत का असली शासक है, मोदी सरकार ने उसी विचार को आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल इंडिया और किसान सशक्तिकरण जैसे अभियानों के जरिए जीवंत बनाया है। आज़ादी के अमृत काल में जब भारत वैश्विक मंच पर अग्रसर है, तब यह आवश्यक है कि हम चौधरी चरण सिंह जैसे विचारशील नेताओं की दूरदर्शिता को याद करें और उनके विचारों को नई पीढ़ी तक पहुँचाएं। भारत को यदि आत्मनिर्भर बनाना है, तो चौधरी चरण सिंह की ग्राम-केंद्रित, किसान सशक्त विचारधारा को आत्मसात करना होगा। उनकी ईमानदारी, सरलता और समर्पण आज के समय में दुर्लभ गुण हैं। लाल किले की प्राचीर से दी गई उनकी वह पुकार आज भी हमें बुलाती है-किसानों को न्याय दो, गाँवों को समृद्ध करो, तभी भारत महान बनेगा। उनकी विरासत, उनके संस्मरण और उनका दर्शन भारतीय राजनीति के लिए अमूल्य धरोहर हैं। आने वाली पीढ़ियाँ अगर उन्हें समझें और अपनाएं, तो भारत एक सशक्त और समरस राष्ट्र बन सकता है।

(लेखक पूर्व विधायक हैं और वर्तमान में राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष के पद पर हैं।)

राशिफल

ज्येष्ठ माह शुक्ल पक्ष तृतीया — **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
व्यावसायिक सफलता मिलेगी। पराक्रम रंग लाएगा। अपनों का साथ होगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
शब्द-साधक की तरह व्यवहार करेंगे। आपकी वाणी में तेजी के साथ एक नर्माहट रहेगी।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
सौम्यता के प्रतीक बने रहेंगे। आकर्षण के प्रतीक बने रहेंगे। प्रेम-संतान का साथ होगा। व्यापार भी अच्छा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
खर्च की अधिकता। कर्ज की स्थिति जबकि शुभ कार्यों में खर्च होगा। प्रेम-संतान अच्छा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
आय के नवीन स्रोत बनेंगे। पुराने सोर्स से भी पैसे आएंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
व्यावसायिक सफलता मिलेगी। उच्चाधिकारियों का आशीर्वाद मिलेगा। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। यात्रा का योग बनेगा। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम-संतान बहुत अच्छा है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। शादी ब्याह तय हो सकती है। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम रहेगा। प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार अच्छा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
लिखने-पढ़ने के लिए अत्यंत शुभकारी समय। बच्चे तरक्की करेंगे। आज्ञा का पालन करेंगे। प्रेम में बहुत शुभता।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी के प्रबल योग हैं। सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

जिला पंचायत सम्मेलन आयोजित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित पुण्य श्लोक अहिल्याबाई होल्कर की 300वें जन्म दिवस के उपलक्ष में संस्कार बैंकेट हाल जेवर में जिला पंचायत सम्मेलन का कार्यक्रम आयोजित किया गया

जिसमें मुख्य अतिथि लोक निर्माण विभाग के राज्य मंत्री कुंवर बृजेश सिंह ,विधान परिषद सदस्य नरेंद्र भाटी, जिला पंचायत अध्यक्ष गौतम बुद्ध नगर अमित चौधरी जी और जिला पंचायत सदस्य देवा भाटी और मनोज सिसोदिया जी भी उपस्थित रहे एवं अध्यक्षता जिले के जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने की।

जिसमें मुख्य अतिथि कुंवर बृजेश सिंह ने कहा कि देवी अहिल्याबाई होलकर की सोच बड़ी व्यापक थी उन्होंने अपने राज्य की सीमाओं के बाहर भी भारत भर के प्रसिद्ध तीर्थों में मंदिर घाट कुँआ और बावड़ियों का निर्माण करवाये सड़कों के निर्माण के साथ भूखों के लिये अन्य क्षेत्र भंडार खोले प्यासों के लिये पियाऊ बनाने के कार्य किये अहिल्याबाई होलकर जी के देश के प्रति सम्मान देश के प्रति उनके योगदान के बारे में सभी कार्यकर्ताओं को अवगत कराया और सभी ग्रामीणों को अवगत कराया और भविष्य में महिलाओं को अहिल्याबाई जी के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया।

एम एल सी विधायक नरेन्द्र भाटी ने कहा कि रानी अहिल्यबाई होलकर जी का जीवन धार्मिक आचरण न्याय प्रिय नेतृत्व और जन सेवा को समर्पित रहा उन्होंने राष्ट्र की उन्नति हेतु समाज के लिए कार्य किये।

भाजपा के जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति सनातन को बढ़ाने के लिए मंदिरों में शास्त्रों के मनन चिंतन प्रवचन के लिए विद्वानों की नियुक्ति की ।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष संजय रावत, जिला उपाध्यक्ष सत्येंद्र नागर, देवा भाटी विकास चौधरी कर्मवीर आर्य देवेंद्र भारद्वाज, अनुराग शर्मा, संजीव शर्मा, रवि अग्रवाल मनजीत सिंह, बॉबी शर्मा, चंद्रमणि भारद्वाज, नरेश शर्मा, चंद्रपाल सिंह, ओंकार भाटी, प्रदीप अत्री,त्रिलोक प्रधान,बघेल समाज से पीतांबर सिंह, हरिओम शर्मा,नरेश शर्मा,अशोक शर्मा ,विनोद बैंसला,सविता गुर्जर,कृष्ण प्रधान,राजू प्रधान,कृष्णपाल प्रधान, आदि कार्यकर्ताओं के साथ सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

सपा ने की किसान से मारपीट करने वाले लेखपाल के खिलाफ कार्यवाई की मांग

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अपनी शिकायत को लेकर सदर तहसील आये किसान के साथ तहसील में तैनात लेखपाल द्वारा मारपीट और अभद्रता करने के मामले में समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने जिला अधिकारी को पत्र लिख दोषी लेखपाल के खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

उन्होंने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण एवं निंदनीय बताते हुए पत्र में लिखा है कि प्रशासनिक कर्मचारी और अधिकारियों द्वारा इस तरह की घटना निरंतर की जा रही है, जिससे अपनी शिकायत और समस्या को लेकर लोग अधिकारियों के पास जाने से डरने लगे हैं। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने जिलाधिकारी से अधिकारियों कर्मचारियों के सामने अपनी शिकायत और समस्या को लेकर आने वाले लोगों के साथ सम्मान पूर्वक व्यवहार करने के भी निर्देश देने की मांग जिलाधिकारी से की है।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है, भ्रष्ट अधिकारी जनता की समस्याओं को सुनने के बजाओ उनके साथ अपराधियों की तरह व्यवहार कर उनका शोषण कर रहे हैं।

'ऑपरेशन सिंदूर' को सेना ने बनाया सफल : अजय प्रधान

ग्रेटर नोएडा(चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के नेता अजय प्रधान (बिसरख) ने कहा है कि भारतीय सेना की जितनी प्रशंसा की जाए, वह कम है। उन्होंने कहा कि थल तीनों सेनाओं ने मिलकर पाकिस्तान में आतंकवादियों के ठिकानों पर जिस प्रकार से ऑपरेशन सिंदूर को सफल बनाया और सुरक्षित भारत लौटे, वह पूरी दुनिया ने देखा है।

अजय प्रधान ने कहा कि आतंकवाद को समाप्त करने का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प अब साकार हो रहा है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अभी भी समय है, पाकिस्तान को चाहिए कि वह आतंकवाद से खुद को अलग कर ले।

उन्होंने यह भी कहा कि मासूम लोगों को मारकर आतंकवादी अपनी पीठ थपथपाते हैं, लेकिन उन्हें यह नहीं पता कि इसका

अंजाम क्या होगा। भारतीय सेना के तीनों अंगों ने मिलकर पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादी ठिकानों को जिस तरह से नष्ट किया है, वह पूरी दुनिया ने देखा है।

लेखपाल के खिलाफ तत्काल हो कार्यवाही

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।

सदर तहसील में पटवारी एवं उसके गुर्गों द्वारा किसान के साथ की गई मारपीट की घटना बहुत ही निंदनीय एवं शर्मनाक है। इसको लेकर संयुक्त किसान मोर्चा ने कल एक पंचायत का आयोजन किया।

पंचायत में घटना को लेकर आक्रोश व्यक्त किया गया। संयुक्त किसान मोर्चा के नेता नीरज नवादा ने कहा कि ऐसे पटवारी के खिलाफ तत्काल कार्यवाही होनी चाहिए।

बीएचईएल कंपनी पर धरना जारी

नोएडा (चेतना मंच)। भारत हेवी इलेक्ट्रीकल्स लिमिटेड प्लॉट नंबर- 25, सेक्टर- 16, नोएडा के प्रबंधन द्वारा संस्थान में वर्षों वर्षों से लगातार स्थाई रूप से कार्यरत श्रमिकों का लगातार आर्थिक शोषण व उत्पीड़न करने, संस्थान पर लागू वेतनमान श्रमिकों को भुगतान न करने और उक्त पर संगठित होकर आवाज उठाने पर 17 से 21 अप्रैल 2025 के मध्य 17 कर्मचारियों को गैर कानूनी तरीके से नौकरी से निकाले जाने के खिलाफ 23 अप्रैल 2025 से कर्मचारियों ने धरना शुरू किया जो आज 28 मई 2025 को भी दिन भर जारी रहा।

यूनियन नेता रणजीत सिंह ने कहा कि प्रबंधन जब तक श्रमिकों को कार्य पर नहीं लेंगे तब तक संस्थान के समक्ष कर्मचारी ड्यूटी जाते समय और ड्यूटी समाप्त होने पर कंपनी के मुख्य द्वार के समक्ष गेट मीटिंग/प्रदर्शन कर नारेबाजी करते हैं और कार्य से रोके गए सभी श्रमिक संस्थान के मुख्य द्वार के समक्ष कांन्ट्रेक्ट लेबर इम्पलाईज यूनियन 'सीटू' के झंडा-बैनर के साथ के साथ धरना पर बैठ रहे हैं।

धरना प्रदर्शन को आज 37वें दिन सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा व महासचिव रामसागर ने संबोधित किया। साथ ही उन्होंने कहा कि कंपनी प्रबंधन निकाले गए सभी कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति सहित कार्य पर पुनः बहाल करें अन्यथा तय कार्यक्रम के अनुसार प्रतिदिन संस्थान के समक्ष आंदोलन जारी रहेगा और आने वाले दिनों में आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

नोएडा की सोसायटी में एसी में लगी आग

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित आस्था ग्रीन सोसायटी में एयर कंडीशनर (एसी) के इनडोर यूनिट में आग लग गई। कमरे में आठ वर्ष की बच्ची अपनी चार माह की छोटी बहन के साथ खेल रही थी। आग लगते ही वह चार माह की बहन को गोद में लेकर बाहर के कमरे की ओर अपनी मां के पास दौडी।

बच्ची की मां ने सोसायटी के सोशल मीडिया ग्रुप पर घटना का मैसेज डालते हुए मेंटेनेंस प्रबंधन को सूचित किया। मदद के लिए लोग पहुंच चुके थे। आरोप है कि मेंटेनेंस से उनको समय पर मदद नहीं मिली। फ्लैट में लगे स्प्रिंकलर भी नहीं चले। सोसायटी के टावर-4 के फ्लैट नंबर 103 में प्राशिक अपने परिवार के साथ रहते हैं।

उन्होंने बताया कि बुधवार सुबह वह अपने काम पर चले गए थे। इस दौरान उनके घर पर उनकी पत्नी, एक आठ वर्ष और चार महीने के बच्ची थी। सुबह करीब 11 बजे अचानक कमरे के अंदर एसी की इनडोर यूनिट से तेज आवाज आई, जिसके बाद ही एसी में से धुआं निकालने लगा और आग लगनी शुरू हो गई।

पत्नी दूसरे कमरे में थीं। आठ वर्ष की बेटी ने बहादुरी और समझदारी दिखाई और छोटी बेटी को लेकर बाहर की ओर दौड़ी। पत्नी ने फोन पर प्राशिक को सूचना दी। वह भी सेक्टर-73 स्थित अपने दफ्तर से 20 मिनट के अंदर सोसायटी में पहुंच गए। उनके पहुंचने तक इनडोर यूनिट में लगी आग बुझ चुकी थी। प्राशिक ने बताया इनडोर यूनिट के ऊपर ही वाटर स्प्रिंकलर लगे हुए हैं। घटना के वक्त वह भी नहीं चले।

प्रबंधन की ओर से भी समय पर मदद नहीं मिली। सोसायटी के ग्रुप में भेजने पर बिल्डर के कर्मचारी मदद के लिए आए। तब तक एसी पूरी तरह जल चुका था।

Name Change

This is to inform you that, I Kamal Chand S/o Jagan Prasad, have changed my name to Kamal Chand Jatav S/o Jagan Prasad. My correct Date of Birth is 15/08/1961. Going forward, I will be known on the name of Kamal Chand Jatav S/o Jagan Prasad.

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू.पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in www.chetnamanch.com

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नौएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर, 201308 (उ.प्र.)
Toll Free No. 18001808296 वेबसाइट: www.yamunaexpresswayauthority.com

पत्रांकः वाई.ई.ए./भूलेख/377/2025 दिनांकः 27.05.2025

सार्वजनिक सूचना

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा ग्राम कल्लूपुरा के सैक्टर 05 के अन्तर्गत आने वाली भूमि का सुनियोजित विकास हेतु सम्बन्धित कृषकों द्वारा दी गयी सहमति की दर रू. 3808/- प्रति वर्गमी. से प्राधिकरण द्वारा शासनादेश संख्या- 314/77-3-163एम, दिनांक 23.02.2016 में तय प्रक्रियानुसार निम्नानुसार क्रय किया जाना प्रस्तावित है:-

क्रमांक	सैक्टर/ग्राम का नाम	खाता संख्या	खसरा संख्या	खसरे का कुल क्षेत्रफल (हे. में)	खातेदार का नाम व पता	तहसील से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर काश्तकार का हिस्सा	काश्तकार का विक्रय हेतु क्षेत्रफल (हे. में)
1	कल्लूपुरा	192	391 899 900 1032	0.0510 0.5940 0.5560 2.1430	भूप सिंह पुत्र उमराव निवासी ग्राम कल्लूपुरा, तहसील जेवर, जनपद गौतमबुद्धनगर।	1/3 1/3 1/3 1/3	0.0170 0.1980 0.1854 0.7144
2	कल्लूपुरा	268	941 944	0.1520 0.2780	मनोज कुमार गर्ग पुत्र महेश चन्द गर्ग निवासी एच- 170, गामा- 2, ग्रेटर नोएडा, जिला गौतमबुद्धनगर।	1/2 1/2	0.0760 0.1390
3	कल्लूपुरा	40 192 125	769 391 899 900 1032 869 870 871 901	1.2960 0.0510 0.5940 0.5560 2.1430 1.0120 0.0890 0.0760 3.9080	दिवाकर शर्मा पुत्र निरंजन प्रसाद शर्मा नि. ग्राम कल्लूपुरा, तहसील जेवर, जिला गौतमबुद्धनगर।	में से 1/6 1/6 1/6 1/6 1/6 1/6 1/6 1/6	0.4794 0.0085 0.0990 0.0927 0.3570 0.1887 0.0149 0.0126 0.6514
4	कल्लूपुरा	125	869 870 871 901	1.0120 0.0890 0.0760 3.9080	अंगूरी देवी पत्नी भूप सिह नि. ग्राम कल्लूपुरा, तहसील जेवर, जिला गौतमबुद्धनगर।	1/3 1/3 1/3 1/3	0.3773 0.0296 0.0253 1.3026
5	कल्लूपुरा	40 192 125	769 391 899 900 1032 869 870 871 901	1.2960 0.0510 0.5940 0.5560 2.1430 1.0120 0.0890 0.0760 3.9080	कृष्ण कुमार शर्मा पुत्र निरंजन प्रसाद शर्मा नि. ग्राम कल्लूपुरा, तहसील जेवर, जिला गौतमबुद्धनगर।	में से 1/6 1/6 1/6 1/6 1/6 1/6 1/6 1/6	0.4794 0.0085 0.0990 0.0926 0.3572 0.1886 0.0148 0.0127 0.6513
6	कल्लूपुरा	404	671मि	0.8710	त्रिभुवन शर्मा पुत्र हरप्रसाद नि. ग्राम कल्लूपुरा, तहसील जेवर, जिला गौतमबुद्धनगर।	में से	0.4070
7	कल्लूपुरा	04	718	1.4950	श्रीमती सरोज शर्मा पत्नी कपिल देव व श्रीमती रजनी शर्मा पत्नी पवन शर्मा व श्रीमती सुषमा शर्मा पत्नी रमन निवासी झटटा, तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर।	में से	0.1686
8	कल्लूपुरा	116	793	0.0970	रामपाल पुत्र शिवली नि. ग्राम नगला श्री गोपाल, माजरा रबूपुरा, तहसील जेवर, जिला गौतमबुद्धनगर।	3/4	0.0728
9	कल्लूपुरा	361	892 862	0.8630 0.8190	सतीश चन्द पुत्र पीतम्बर नि. ग्राम कल्लूपुरा, तहसील जेवर, जिला गौतमबुद्धनगर।	सम्पूर्ण में से	0.8630 0.3970
10	कल्लूपुरा	311	741 774 820	0.2910 0.7460 0.2530	मोहन लाल पुत्र नत्थी नि. ग्राम कल्लूपुरा, तहसील जेवर, जिला गौतमबुद्धनगर।	1/3 1/3 1/3	0.0970 0.2487 0.0843
11	कल्लूपुरा	311	741 774 820	0.2910 0.7460 0.2530 1.7270	राजकुमार पुत्र नत्थी नि. ग्राम कल्लूपुरा, तहसील जेवर, जिला गौतमबुद्धनगर।	1/3 1/3 1/3	0.0970 0.2486 0.0844
12	कल्लूपुरा	195	401म	0.1260	मदन प्रकाश पुत्र जगन्नाथ व जगमोहन व यतेन्द्र कुमार पुत्रगण फकीरचन्द नि. ग्राम कल्लूपुरा, तहसील जेवर, जिला गौतमबुद्धनगर।	सम्पूर्ण	0.1260
13	कल्लूपुरा	174	711	0.7310	ब्रज किशोर पुत्र नन्द किशोर नि. ग्राम कल्लूपुरा, तहसील जेवर, जिला गौतमबुद्धनगर।	सम्पूर्ण	0.7310
14	कल्लूपुरा	174	402	0.3540	भुवनेश्वर शर्मा पुत्र ब्रिज किशोर शर्मा व श्रीमती प्रीति शर्मा पत्नी भुवनेश्वर शर्मा नि. ग्राम कल्लूपुरा, तहसील जेवर, जिला गौतमबुद्धनगर।	सम्पूर्ण	0.3540
15	कल्लूपुरा	268	941 944	0.1520 0.2780	श्रीमती निधि गर्ग पत्नी मनोज कुमार गर्ग निवासी एच- 170 गामा- 2, ग्रेटर नोएडा, जिला गौतमबुद्धनगर।	1/2 1/2	0.0760 0.1390
16	कल्लूपुरा	34 261	385 390 486म 485 486म	0.5820 0.3920 0.2460 0.4050 0.1710	दयानन्द पुत्र रामकिशन नि. ग्राम कल्लूपुरा, तहसील जेवर, जिला गौतमबुद्धनगर।	में से में से में से में से 1/3	0.0970 0.0653 0.0410 0.0675 0.0570
17	कल्लूपुरा	34 261	385 390 486म 485 486म	0.5820 0.3920 0.2460 0.4050 0.1710	सीताराम पुत्र रामकिशन नि. ग्राम कल्लूपुरा, तहसील जेवर, जिला गौतमबुद्धनगर।	में से में से में से में से 1/3	0.0970 0.0653 0.0410 0.0675 0.0570
18	कल्लूपुरा	40	769	1.2960	अमित त्यागी पुत्र दुलीचन्द नि. ग्राम रोजा याकूबपुर, गौतमबुद्धनगर।	में से	0.3373
19	कल्लूपुरा	192 125	391 899 900 1032 869 870 871 901	0.0510 0.5940 0.5560 2.1430 1.0120 0.0890 0.0760 3.9080	प्रकाश चन्द पुत्र डालचन्द नि. कल्लूपुरा, तहसील जेवर, जिला गौतमबुद्धनगर।	1/6 1/6 1/6 1/6 1/6 1/6 1/6 1/6	0.0085 0.0990 0.0926 0.3572 0.1887 0.0148 0.0127 0.6513
20	कल्लूपुरा	426	594म 736म/1 775	0.9110 1.4360 0.5700	राजवीर शर्मा पुत्र श्रीचन्द शर्मा नि. ग्राम कल्लूपुरा, तहसील जेवर, जनपद गौतमबुद्धनगर।	1/3 1/3 1/3	0.3036 0.4787 0.1900
21	कल्लूपुरा	398	600 738 739 744	0.3960 0.2180 0.2420 1.2010	सुभम पुत्र कुवरपाल नि. ग्राम कल्लूपुरा, तहसील जेवर, जनपद गौतमबुद्धनगर।	1/2 1/2 1/2 1/2	0.1980 0.1090 0.1210 0.6005
22	कल्लूपुरा	395	759 758	0.5440 0.6320	सुरेश चन्द पुत्र शंकरलाल नि. ग्राम आकलपुर, तहसील जेवर, जनपद गौतमबुद्धनगर।	सम्पूर्ण 1/3	0.5440 0.2107
23	कल्लूपुरा	281	843	1.3030	रामवीरों पत्नी तेज सिंह नि. गुनपुरा, तहसील सदर, जनपद गौतमबुद्धनगर।	1/2	0.6515
24	कल्लूपुरा	96	748	0.6070	तेजराम पुत्र हरप्रसाद नि. ग्राम कल्लूपुरा, तहसील जेवर, जनपद गौतमबुद्धनगर।	सम्पूर्ण	0.6070
25	कल्लूपुरा	281	843	1.3030	ईश्वर सिंह पुत्र सिपटटर सिंह नि. मकनपुर खादर, इन्द्रपुरम गाजियाबाद।	1/12	0.1086
26	कल्लूपुरा	281	843	1.3030	ब्रजेश कुमार पुत्र सिपटटर सिंह नि. मकनपुर खादर, इन्द्रपुरम गाजियाबाद।	1/12	0.1086
27	कल्लूपुरा	281	843	1.3030	राजवीर पुत्र सिपटटर सिंह नि. मकनपुर खादर, इन्द्रपुरम गाजियाबाद।	1/12	0.1086
28	कल्लूपुरा	281	843	1.3030	राजकुमार पुत्र सिपटटर सिंह नि. मकनपुर खादर, इन्द्रपुरम गाजियाबाद।	1/12	0.1085
29	कल्लूपुरा	205 262	781 863	0.6730 1.1840	मामचन्द शर्मा पुत्र इन्द्राज शर्मा नि. पचोकरा	सम्पूर्ण 1/3	0.6730 0.3946
30	कल्लूपुरा	136	654	1.4630	सतीशचन्द शर्मा पुत्र राजाराम शर्मा नि. चौडा, सादतपुरा, सैक्टर 22, नौएडा जिला गौतमबुद्धनगर।	में से	0.1199
31	कल्लूपुरा	103	757	0.7210	महेश सिंह पुत्र नैन सिंह नि. मुरादगढी।	1/3	0.2403

उपरोक्त भूमि क्रय किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो वह लिखित रूप में 15 दिन के अन्दर अधोहस्ताक्षरी को अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

डिप्टी कलेक्टर
यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत मास्टर प्लॉन के अतिरिक्त प्लॉटिंग / हाउसिंग / कॉलोनी या किसी भी प्रकार का अन्य निर्माण पूरी तरह से अवैध है। सामान्यजन इस प्रकार की खरीदफरोख्त से पूर्णतः सचेत रहें तथा कॉलोनाइजर के भ्रामक विज्ञापनों से बचें। अधिक जानकारी के लिए प्राधिकरण की वेबसाइट www.yamunaexpresswayauthority.com देखें।

मुठभेड़ में एक शातिर चोर गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ईकोटेक-3 कोतवाली पुलिस को बुधवार को बड़ी कामयाबी मिली है। लखनावली मार्ग के पास हुई मुठभेड़ में पुलिस ने एक शातिर चोर विवेक को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे मौके पर दबोच लिया गया। उसका एक साथी मौके का फायदा उठाकर झाड़ियों की ओर फरार हो गया, जिसकी तलाश में कांबिंग ऑपरेशन जारी है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान विवेक, निवासी गांव फरका, थाना सबौर, जिला भागलपुर (बिहार) के रूप में हुई है। वर्तमान में वह ग्रेटर नोएडा के गांव कुलेसरा में रह रहा था और चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहा था।

गिरफ्तार आरोपी के पास से पुलिस ने एक स्प्लेंडर बाइक, एक अवैध तमंचा, कारतूस, 4,000 रुपये नकद, और चोरी किए

गए आभूषण बरामद किए हैं, जिनमें एक चांदी की चैन, एक जोड़ी पायल, एक जोड़ी मेहंदी छल्ला, नाक का फूल (पीली धातु) शामिल हैं।

पुलिस ने विवेक की निशानदेही पर गांव हल्दौनी स्थित एक बंद मकान से चोरी गया सामान भी बरामद किया है।

डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि पुलिस टीम लखनावली मार्ग पर नियमित चेकिंग कर रही थी, तभी दो संदिग्ध युवक बाइक पर सवार होकर आते दिखे। जब पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया, तो वे बाइक मोड़कर सुत्याना की ओर भागने लगे। पीछा किए जाने पर बदमाशों ने पुलिस पर जानलेवा फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में विवेक के पैर में गोली लगी, जिससे वह घायल हो गया और तुरंत पकड़ में आ गया।

पुलिस के अनुसार, आरोपी विवेक एक आदतन अपराधी है। उस पर पहले से चोरी, अवैध हथियार रखना, मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य गंभीर आरोपों में कुल सात मुकदमे ईकोटेक-3 कोतवाली में दर्ज हैं।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट व अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। फरार बदमाश की तलाश के लिए सघन अभियान चलाया जा रहा है।

तेजी से फैल रहा है चीन का कोविड-19 का नया वैरिएंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (WHO) ने लोगों को अलर्ट करते हुए कहा है कि चीन में पाया जाने वाला कोविड-19 का नया वैरिएंट दुनिया के कुछ हिस्सों में तेजी से बढ़ रहा है और वर्तमान में यह साउथ-ईस्ट एशिया, वेस्टर्न पैसिफिक क्षेत्र और भूमध्य सागर के क्षेत्रों में फैल रहा है।

WHO के अधिकारियों ने बताया कि NB.1.8.1 नामक नए वैरिएंट के कारण चीन में हाल के दिनों में कोरोना का प्रकोप फिर से बढ़ गया है। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (CDC) ने द एपोच टाइम्स को बताया कि इस नए वैरिएंट का अमेरिका में पता चला है। हालांकि, अभी तक इसके लगभग 20 सिक्वेंस पाए गए हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोविड-19 वायरस के फिर से बढ़ते मामलों को लेकर चिंता जताई है। WHO के मुताबिक, फरवरी 2025 के मध्य से दुनियाभर में SARS-CoV-2 वायरस की गतिविधि में वृद्धि देखी जा रही है।

WHO के आंकड़ों के अनुसार कोविड टेस्ट में पॉजिटिविटी रेट 11त्न तक पहुंच गई है, जो जुलाई 2024 के बाद सबसे अधिक है। WHO ने NB.1.8.1 वैरिएंट को निगरानी में रखा गया वैरिएंट घोषित किया था और इसके जोखिम को कम माना था। बुधवार को अपने अपडेट में WHO ने कहा कि चीन सहित कुछ वेस्टर्न पैसिफिक देशों ने कोविड-19 मामलों और अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या में वृद्धि होने की सूचना दी है। हालांकि, अभी तक ऐसा कुछ नहीं है कि सुझाव दिया जाए कि नए वैरिएंट से जुड़ी बीमारी अन्य वैरिएंट की तुलना में अधिक गंभीर है।

पासपोर्ट नवीनीकरण को केजरीवाल ने अदालत में दिया आवेदन

नई दिल्ली। आबकारी घोटाला से जुड़े सीबीआई व ईडी के मामले में आरोपी पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने पासपोर्ट के नवीनीकरण के लिए एनओसी की मांग करते हुए राउज एवेन्यू कोर्ट की विशेष अदालत में आवेदन दायर किया है।

अदालत ने आवेदन पर ईडी और सीबीआई को जवाब के लिए नोटिस जारी करते हुए सुनवाई चार जून तक के लिए

स्थगित कर दी। केजरीवाल के अधिवक्ता ने कहा कि उनके मुवक्किल का निजी पासपोर्ट 2018 में ही एक्सपायर हो चुका है।

शातिर गांजा तस्कर गिरफ्तार स्कूली छात्रों को बेचता था

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर 126 पुलिस ने बीती रात को एक सूचना के आधार पर एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 7 किलो 300 ग्राम समुद्री गांजा (ओजी) बरामद किया है। इसकी कीमत लाखों रुपए बताई जाती है।आरोपी यहां के विभिन्न विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को अवैध रूप से मादक पदार्थ बेचने के लिए कार में सवार होकर आया था।

थाना सेक्टर 126 के प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र बालियान ने बताया कि बीती रात को एक सूचना के आधार पर थाना पुलिस ने हरिकेश दामोदर को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इसके पास से पुलिस ने 7 किलो 300 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। उन्होंने बताया कि आरोपी एक कार में गांजा भरकर एनसीआर में बेचने के लिए आया हुआ था।

पृष्ठ एक के शेष....

मुठभेड़ में दो शातिर...

1 जिन्दा कारतूस व चोरी की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल संबंधित मु0अ0सं0 167/2025 धारा 303(2) बीएनएस थाना सेक्टर-49, नोएडा बरामद हुई है। दूसरे बदमाश पीतम पुत्र राजपाल निवासी ग्राम धन्तरी थाना चांदहट जिला पलवल हरियाणा उम्र 24 वर्ष को कॉम्बिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया है, जिसके कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद किया गया है। घायल बदमाश को अस्पताल भिजवाया गया है।

ग्रीन पार्क की तर्ज ...

टीएसएच काम्प्लेक्स में खेल सुविधाओं एवं उनके संचालन से सम्बंधित नियम एवं शर्तो को भी निरीक्षण किया। ताकि उनका अधिक से अधिक लाभ कैसे आम जनता तक पहुँच सके, इसपर विस्तृत चर्चा की गई। इसके उपरांत उन्होंने कानपुर में निर्माणाधीन कन्वेंशन सेंटर का भी निरीक्षण किया गया।

300 करोड़ की लागत...

और लिया जाएगा, जिससे शहर की सड़क फुटपाथ को दुरुस्त किया जा सके। यह फंड वायु गुणवत्ता सुधार के लिए जारी होता है। इसके तहत शहर में ट्रैफिक सिग्नलों को लेफ्ट टर्न फ्री किया जाएगा। जहां लेफ्ट टर्न पर फुटपाथ या कोई अवरोध है उसे हटाया जाएगा। इसके लिए एक सर्वे किया जाएगा। सर्वे के अनुसार काम शुरू होगा। इसका मकसद सिग्नल पर वाहन बे -वजह खड़े न हो। इससे प्रदूषण के स्तर में कमी आएगी। साथ ही इसके साथ जहां जहां भी जाम की स्थिति है उससे निपटने के लिए सड़कों का इंफ्रास्ट्रचर बेहतर किया जाएगा। बताया गया कि सेक्टर-62 में एनएच-9 और गाजियाबाद को जोड़ते हुए बनाए जाने वाला स्काई वॉक भी इसी फंड से बनाया जाएगा। इसके अलावा NCAP के जरिए ड्रेनेज और शहर को क्लीन करने के मशीनें खरीदी जाएंगी। इसके अलावा 4 इंटीग्रेटेड प्लांट 40-40 टीडीपी क्षमता के लगाने जा रहे है। जिसके लिए टेंडर प्रक्रिया हो चुकी है।

करीब 106 करोड़ ...

इसके निर्माण में करीब 64 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे है। इस नाले को एसटीपी से जोड़ा जाएगा। नाले के निर्माण के साथ बरसाती नालियां भी बनाई जाएंगी। इन नालियों के जरिए सड़क पर जलभराव की समस्या नहीं होगी। इसके अलावा पूरे सेक्टर में अभी सिर्फ एक 18 एकड़ का पार्क विकसित किया जाएगा। इसका प्लान तैयार किया जा चुका है। एस्टीमेट तैयार कर सीईओ के सामने रखा जाएगा। वहां से अप्रूवल के बाद इसका निर्माण होगा। इसके साथ सड़कों के किनारे ग्रीन बेल्ट और सड़क के बीच सेंट्रल वर्ज बनाई जाएगी। इस तरह से प्राधिकरण सेक्टर-145 का विकास करेगा। यहां प्राधिकरण ने अपना साइट ऑफिस पहले ही बना दिया है।

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियाँ-2025

रेलयात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा निम्नलिखित ग्रीष्मकालीन स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ियों का संचालन किया जायेगा, जिनका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:-

गाड़ी संख्या	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	आवृति	चलने के दिन	चलने की अवधि
04088	नई दिल्ली	15:50	पटना जंक्शन	08:40	प्रतिदिन		10.07.2025 तक
04087	पटना जंक्शन	12:00	नई दिल्ली	04:40			11.07.2025 तक
04064	नई दिल्ली	09:30	शेखपुरा	05:00	द्वि-साप्ताहिक	सोम, गुरु	10.07.2025 तक
04063	शेखपुरा	07:00	नई दिल्ली	23:35		मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04066	नई दिल्ली	21:35	सहरसा जंक्शन	22:00	द्वि-साप्ताहिक	सोम, गुरु	10.07.2025 तक
04065	सहरसा जंक्शन	23:55	नई दिल्ली	23:30		मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04022	नई दिल्ली	14:00	गोरखपुर	05:00	साप्ताहिक	शुक्रवार	11.07.2025 तक
04021	गोरखपुर	07:00	नई दिल्ली	23:10		शनिवार	12.07.2025 तक
04081	नई दिल्ली	23:45	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	11:40	त्रि-साप्ताहिक	सोमवार, बुध, शनि	12.07.2025 तक
04082	श्री माता वैष्णों देवी कटड़ा	21:20	नई दिल्ली	09:30		मंगल, गुरु, रविवार	13.07.2025 तक
04012	दिल्ली जंक्शन	19:30	दरभंगा जंक्शन	20:30	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04011	दरभंगा जंक्शन	22:00	दिल्ली जंक्शन	22:40		बुध, शनि	12.07.2025 तक
04024	दिल्ली जंक्शन	19:30	वाराणसी जंक्शन	09:45	त्रि-साप्ताहिक	सोम,गुरु,शनि	10.07.2025 तक
04023	वाराणसी जंक्शन	18:35	दिल्ली जंक्शन	08:50		मंगल,शुक्र,रवि	11.07.2025 तक
04026	दिल्ली जंक्शन	23:05	रक्सौल जंक्शन	19:00	साप्ताहिक	गुरुवार	10.07.2025 तक
04025	रक्सौल जंक्शन	22:00	दिल्ली जंक्शन	17:45		शुक्रवार	11.07.2025 तक
04018	आनंद विहार (ट)	09:00	मुजफ्फरपुर जंक्शन	06:00	साप्ताहिक	गुरुवार	10.07.2025 तक
04017	मुजफ्फरपुर जं	07:30	आनंद विहार (ट)	06:00		शुक्रवार	11.07.2025 तक
04020	आनंद विहार (ट)	19:30	बरौनी जंक्शन	18:00	साप्ताहिक	रविवार	06.07.2025 तक
04019	बरौनी जंक्शन	20:00	आनंद विहार (ट)	19:00		सोमवार	07.07.2025 तक
04070	आनंद विहार (ट)	00:20	राजगीर	19:50	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04069	राजगीर	23:30	नई दिल्ली	19:00		मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04096	आनंद विहार (ट)	05:00	जयनगर	12:00	द्वि-साप्ताहिक	सोम, गुरु	10.07.2025 तक
04095	जयनगर	17:00	आनंद विहार (ट)	19:55		मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04098	आनंद विहार (ट)	05:00	सीतामढी	02:30	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04097	सीतामढी	03:45	आनंद विहार (ट)	01:30		बुध, शनि	12.07.2025 तक
04094	आनंद विहार (ट)	23:55	जोगबनी	07:30	साप्ताहिक	गुरुवार	10.07.2025 तक
04093	जोगबनी	09:30	आनंद विहार (ट)	16:00		शनिवार	12.07.2025 तक
04207	लखनऊ जंक्शन	08:05	नई दिल्ली	17:50	साप्ताहिक	सोमवार	07.07.2025 तक
04208	नई दिल्ली	20:20	लखनऊ जंक्शन	06:00		सोमवार	07.07.2025 तक
04213	अयोध्या कैंट	18:20	आनंद विहार (ट)	06:00	त्रि-साप्ताहिक	रवि,मंगल,गुरु	10.07.2025 तक
04214	आनंद विहार (ट)	09:00	अयोध्या कैंट	22:00		सोम,बुध,शुक्र	11.07.2025 तक
04687	बनिहाल	18:40	बडगाम	20:20	सप्ताह में 06 दिन	शुक्रवार को छोड़कर	03.06.2025 तक
04688	बडगाम	08:35	बनिहाल	10:40			03.06.2025 तक
04217	वाराणसी जंक्शन	06:25	लखनऊ जंक्शन	11:45	प्रतिदिन		30.06.2025 तक
04218	लखनऊ जंक्शन	16:30	वाराणसी जंक्शन	21:50			30.06.2025 तक
04219	शाहगंज जंक्शन	22:35	अयोध्या धाम जंक्शन	01:40	प्रतिदिन		10.07.2025 तक
04220	अयोध्या धाम जंक्शन	02:10	शाहगंज जंक्शन	04:40			10.07.2025 तक
02270	लखनऊ जंक्शन - छपरा (वंदे भारत स्पेशल)	14:15	छपरा	21:30	सप्ताह में 06 दिन	मंगलवार को छोड़कर	11.07.2025 तक
02269		23:00	लखनऊ जंक्शन	06:30			11.07.2025 तक
04604	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	18:15	वाराणसी जंक्शन	19:00	साप्ताहिक	रविवार	06.07.2025 तक
04603	वाराणसी जंक्शन	05:30	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	11:25		मंगलवार	08.07.2025 तक
04206	वाराणसी जंक्शन	14:50	चंडीगढ़	07:45	साप्ताहिक	शनिवार	05.07.2025 तक
04205	चंडीगढ़	09:30	वाराणसी जंक्शन	01:20		रविवार	06.07.2025 तक
04518	बठिण्डा जंक्शन	20:50	वाराणसी जंक्शन	17:30	द्वि-साप्ताहिक	सोम, शुक्र	11.07.2025 तक
04517	वाराणसी जंक्शन	20:40	बठिण्डा जंक्शन	17:00		मंगल, शनि	12.07.2025 तक
04209	लखनऊ जंक्शन	20:45	चंडीगढ़	07:55	त्रि-साप्ताहिक	सोम,बुध,शुक्र	09.07.2025 तक
04210	चंडीगढ़	10:20	लखनऊ जंक्शन	21:30		मंगल,गुरु,शनि	10.07.2025 तक
04504	चंडीगढ़	23:35	पटना जंक्शन	22:10	साप्ताहिक	गुरुवार	29.05.2025 तक
04503	पटना जंक्शन	22:45	चंडीगढ़	23:10		शुक्रवार	30.05.2025 तक
04302	योग नगरी ऋषिकेश	15:20	मुजफ्फरपुर जंक्शन	13:00	साप्ताहिक	मंगलवार	15.07.2025 तक
04301	मुजफ्फरपुर जंक्शन	15:00	योग नगरी ऋषिकेश	14:20		बुधवार	16.07.2025 तक
04606	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	21:30	गुवाहाटी	19:10	साप्ताहिक	शुक्रवार	30.05.2025 तक
04605	गुवाहाटी	23:20	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	20:45		सोमवार	02.06.2025 तक
04610	जम्मू तवी	06:20	वाराणसी जंक्शन	05:10	साप्ताहिक	गुरुवार	09.07.2025 तक
04609	वाराणसी जंक्शन	09:00	जम्मू तवी	07:45		शुक्रवार	10.07.2025 तक
04304	योग नगरी ऋषिकेश	15:20	गोरखपुर	06:20	साप्ताहिक	शनिवार	12.07.2025 तक
04303	गोरखपुर	09:00	योग नगरी ऋषिकेश	00:55		रविवार	13.07.2025 तक
04602	फिरोजपुर कैंट जंक्शन	15:10	पटना जंक्शन	18:00	द्वि-साप्ताहिक	बुध, शनिवार	12.07.2025 तक
04601	पटना जंक्शन	20:50	फिरोजपुर कैंट जंक्शन	23:55		गुरु, रविवार	13.07.2025 तक
04608	अमृतसर जंक्शन	20:10	दरभंगा जंक्शन	02:30	साप्ताहिक	शुक्रवार	11.07.2025 तक
04607	दरभंगा जंक्शन	04:00	अमृतसर जंक्शन	10:30		रविवार	13.07.2025 तक
04212	सुल्तानपुर जंक्शन	04:00	लोकमान्य तिलक (ट.)	14:00	साप्ताहिक	सोमवार	23.06.2025 तक
04211	लोकमान्य तिलक (ट.)	16:35	सुल्तानपुर जंक्शन	23:00		मंगलवार	24.06.2025 तक
05559	रक्सौल जंक्शन	05:30	उधना जंक्शन	12:35	साप्ताहिक	शनिवार	26.07.2025 तक
05560	उधना जंक्शन	15:35	रक्सौल जंक्शन	00:15		रविवार	27.07.2025 तक
04058	नई दिल्ली	19:30	सहरसा जं.	19:50	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04057	सहरसा जं.	21:40	नई दिल्ली	23:30		बुध, शनि	12.07.2025 तक
04072	दिल्ली जं.	11:00	दरभंगा जं.	13:30	द्वि-साप्ताहिक	सोम, गुरु	10.07.2025 तक
04071	दरभंगा जं.	15:00	दिल्ली जं.	18:50		मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04074	आनंद विहार (ट)	23:55	जोगबनी	07:30	साप्ताहिक	शुक्रवार	11.07.2025 तक
04073	जोगबनी	09:30	आनंद विहार (ट)	16:00		रविवार	13.07.2025 तक
04060	नई दिल्ली	09:30	खोरधा रोड जं.	17:05	साप्ताहिक	शनिवार	14.06.2025 तक
04059	खोरधा रोड जं.	18:30	नई दिल्ली	00:30		रविवार	15.06.2025 तक
03255	पटना जंक्शन	22:20	आनंद विहार (ट)	18:35	द्वि-साप्ताहिक	रवि, गुरु	02.01.2025 से अगले आदेश तक
03256	आनंद विहार (ट)	23:30	पटना जंक्शन	18:35		सोम, शुक्र	03.01.2025 से अगले आदेश तक
05049	छपरा	10:15	अमृतसर जंक्शन	13:50	साप्ताहिक	शुक्रवार	07.02.2025 से अगले आदेश तक
05050	अमृतसर जंक्शन	17:45	छपरा	23:55		शनिवार	08.02.2025 से अगले आदेश तक
05305	छपरा	22:00	आनंद विहार (ट)	00:20	द्वि-साप्ताहिक	सोम, गुरु	17.02.2025 से अगले आदेश तक
05306	आनंद विहार (ट)	22:10	छपरा	22:50		बुध, शनि	19.02.2025 से अगले आदेश तक
05057	गोरखपुर जंक्शन	22:45	दिल्ली जंक्शन	12:50	साप्ताहिक	गुरुवार	06.02.2025 से अगले आदेश तक
05058	दिल्ली जंक्शन	14:00	गोरखपुर जंक्शन	06:25		शुक्रवार	07.02.2025 से अगले आदेश तक
01701	जबलपुर	19:40	अयोध्या कैंट	11:00	साप्ताहिक	बुधवार	25.06.2025 तक
01702	अयोध्या कैंट	13:30	जबलपुर	04:15		गुरुवार	26.06.2025 तक
03309	धनबाद जंक्शन	10:10	जम्मू तवी	22:40	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शनि	28.06.2025 तक
03310	जम्मू तवी	23:30	धनबाद जंक्शन	14:00		बुध, रवि	29.06.2025 तक
02397	गया	14:15	आनंद विहार (ट)	07:10	साप्ताहिक	रविवार	29.06.2025 तक
02398	आनंद विहार (ट)	08:20	गया	00:30		सोमवार	30.06.2025 तक
03257	दानापुर	07:30	आनंद विहार (ट)	00:30	साप्ताहिक	रविवार	27.07.2025 तक
03258	आनंद विहार (ट)	05:00	दानापुर	20:45		सोमवार	28.07.2025 तक
03697	गया	14:15	दिल्ली जंक्शन	07:45	सप्ताह में 6 दिन	रवि को छोड़कर	30.06.2025 तक
03698	दिल्ली जंक्शन	08:55	गया	00:30		सोम को छोड़कर	01.07.2025 तक
05577	सहरसा जंक्शन	20:00	आनंद विहार (ट)	00:30	सप्ताह में 5 दिन	गुरु, शनि को छोड़कर	30.06.2025 तक
05578	आनंद विहार (ट)	05:15	सहरसा जंक्शन	10:30		शनि, सोम को छोड़कर	02.07.2025 तक
02393	राजेंद्र नगर (ट)	19:45	नई दिल्ली	12:10	सप्ताह में 6 दिन	गुरुवार को छोड़कर	30.06.2025 तक
02394	नई दिल्ली	18:30	राजेंद्र नगर (ट)	10:00		शुक्र को छोड़कर	01.07.2025 तक
02877	रांची	23:55	नई दिल्ली	03:00	साप्ताहिक	शुक्रवार	27.06.2025 तक
02878	नई दिल्ली	04:00	रांची	05:00		रविवार	29.06.2025 तक
05736	कटिहार जंक्शन	21:00	अमृतसर जंक्शन	09:45	साप्ताहिक	बुधवार	25.06.2025 तक
05735	अमृतसर जंक्शन	13:25	कटिहार जंक्शन	23:45		शुक्रवार	27.06.2025 तक
09183	मुंबई सेंट्रल	22:50	वाराणसी जंक्शन	10:30	साप्ताहिक	बुधवार	25.06.2025 तक
09184	वाराणसी जंक्शन	14:30	मुंबई सेंट्रल	04:20		शुक्रवार	27.06.2025 तक
03223	राजगीर	06:05	हरिद्वार जंक्शन	06:05	साप्ताहिक	शुक्रवार	27.06.2025 तक
03224	हरिद्वार जंक्शन	07:20	राजगीर	07:15		शनिवार	28.06.2025 तक
03221	राजगीर	14:00	शहीद कप्तान तुषार महाजन	23:05	साप्ताहिक	सोमवार	30.06.2025 तक
03222	शहीद कप्तान तुषार महाजन	03:15	राजगीर	15:00		बुधवार	02.07.2025 तक
05742	न्यू जलपाईगुड़ी	13:40	अयोध्या कैंट	09:30	साप्ताहिक	रविवार	29.06.2025 तक
05741	अयोध्या कैंट	11:40	न्यू जलपाईगुड़ी	09:30		सोमवार	30.06.2025 तक
03311	धनबाद जंक्शन	23:50	चंडीगढ़	04:30	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	27.06.2025 तक
03312	चंडीगढ़	06:00	धनबाद जंक्शन	09:00		गुरु, रवि	29.06.2025 तक
05113	छपरा	15:45	आनंद विहार (ट.)	14:25	साप्ताहिक	बुधवार	16.07.2025 तक
05114	आनंद विहार (ट.)	16:00	छपरा	14:00		गुरुवार	17.07.2025 तक
05301	मऊ जंक्शन	04:00	अंबाला कैंट	00:30	साप्ताहिक	गुरुवार	17.07.2025 तक
05302	अम्बाला कैंट	01:40	मऊ जंक्शन	22:00		शुक्रवार	18.07.2025 तक
05193	छपरा	14:00	शहीद कप्तान तुषार महाजन	23:05	साप्ताहिक	सोमवार	14.07.2025 तक
05194	शहीद कप्तान तुषार महाजन	00:10	छपरा	08:00		बुधवार	16.07.2025 तक
07363	हुब्बल्ली जंक्शन	20:30	योग नगरी ऋषिकेश	23:30	साप्ताहिक	सोमवार	24.02.2025 से अगले आदेश तक
07364	योग नगरी ऋषिकेश	06:15	हुब्बल्ली जंक्शन	06:30		गुरुवार	27.02.2025 से अगले आदेश तक
01491	पुणे	17:30	हजरत निजामुद्दीन	18:10	साप्ताहिक	शुक्रवार	27.06.2025 तक
01492	हजरत निजामुद्दीन	22:10	पुणे	23:55		शनिवार	28.06.2025 तक
09101	वडोदरा जंक्शन	19:00	हरिद्वार जंक्शन	14:30	साप्ताहिक	शनिवार	28.06.2025 तक
09102	हरिद्वार जंक्शन	17:20	वडोदरा जंक्शन	11:25		रविवार	29.06.2025 तक
07023	चर्लपल्ली	20:45	हजरत निजामुद्दीन	02:00	साप्ताहिक	रविवार	29.06.2025 तक
07024	हजरत निजामुद्दीन	04:00	चर्लपल्ली	06:30		मंगलवार	01.07.2025 तक
07621	हुजूर साहिब नांदेड़	08:45	हजरत निजामुद्दीन	14:00	साप्ताहिक	शनिवार	28.06.2025 तक
07622	हजरत निजामुद्दीन	21:40	हुजूर साहिब नांदेड़	00:35		रविवार	29.06.2025 तक
09309	इंदौर जंक्शन	17:00	हजरत निजामुद्दीन	05:00	द्वि-साप्ताहिक	शुक्र, रवि	29.06.2025 तक
09310	हजरत निजामुद्दीन	08:20	इंदौर जंक्शन	21:00		शनि, सोम	30.06.2025 तक
09003	मुंबई सेंट्रल	10:30	दिल्ली जंक्शन	10:00	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	27.06.2025 तक
09004	दिल्ली जंक्शन	13:05	मुंबई सेंट्रल	13:30		बुध, शनि	28.06.2025 तक
09425	साबरमती	17:20	हरिद्वार जंक्शन	17:00	द्वि-साप्ताहिक	गुरु, रवि	29.06.2025 तक
09426	हरिद्वार जंक्शन	21:00	साबरमती	22:30		शुक्र, सोम	30.06.2025 तक
09603	उदयपुर सिटी	01:50	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	06:35	साप्ताहिक	बुधवार	25.06.2025 तक
09604	श्री माता वैष्णों देवी कटड़ा	10:50	उदयपुर सिटी	13:55		गुरुवार	26.06.2025 तक
01442	हजरत निजामुद्दीन	22:20	पुणे	02:45	साप्ताहिक	बुधवार	28.05.2025 तक
01705	जबलपुर	15:45	हरिद्वार जंक्शन	13:50	साप्ताहिक	बुधवार	25.06.2025 तक
01706	हरिद्वार जंक्शन	17:40	जबलपुर	17:50		गुरुवार	26.06.2025 तक
07078	देहरादून	07:00	चर्लपल्ली	22:30	साप्ताहिक	गुरुवार	29.05.2025 तक
04050	नई दिल्ली	21:35	ऐशबाग	12:35	द्वि-साप्ताहिक	शुक्र, रवि	13.07.2025 तक
04049	ऐशबाग	18:45	नई दिल्ली	11:00		शनि, सोम	14.07.2025 तक
04525	सहारनपुर जं.	04:40	अम्बाला कैंट	06:45	प्रतिदिन		15.07.2025 तक
04526	अम्बाला कैंट	20:20	सहारनपुर जं.	22:30			15.07.2025 तक
04068	नई दिल्ली	14:00	भागलपुर	13:30	द्वि-साप्ताहिक	रवि, बुध	09.07.2025 तक
04067	भागलपुर	14:30	नई दिल्ली	14:30		सोम, गुरु	10.07.2025 तक
04030	आनंद विहार (ट)	09:00	मुजफ्फरपुर जं.	04:30	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शनि	08.07.2025 तक
04029	मुजफ्फरपुर जं.	06:15	आनंद विहार (ट)	03:10		बुध, रवि	09.07.2025 तक
04618	अमृतसर	20:10	सहरसा जं.	02:30	द्वि-साप्ताहिक	सोम, मंगल	08.07.2025 तक
04617	सहरसा जं.	04:40	अमृतसर	14:00		बुध, गुरु	10.07.2025 तक
04520	बठिण्डा जं.	20:50	वाराणसी	17:30	द्वि-साप्ताहिक	बुध, शनि	09.07.2025 तक
04519	वाराणसी	20:40	बठिण्डा जं.	17:00		गुरु, रवि	10.07.2025 तक
05219	मुजफ्फरपुर जं.	13:30	आनंद विहार (ट)	10:00	साप्ताहिक	शनि	19.07.2025 तक
05220	आनंद विहार (ट)	12:00	मुजफ्फरपुर जं.	09:45		रवि	20.07.2025 तक
05447	पीलीभीत जं.	12:10	शाहजहाँपुर	13:50	प्रतिदिन		30.06.2025 तक
05448	शाहजहाँपुर	14:35	पीलीभीत जं.	16:30			30.06.2025 तक
05283	मुजफ्फरपुर जं.	06:30	आनंद विहार (ट)	05:00	साप्ताहिक	शुक्र	27.06.2025 तक
05284	आनंद विहार (ट)	07:00	मुजफ्फरपुर जं.	04:50		शनि	28.06.2025 तक

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी अन्य जानकारी जैसे मार्ग में पड़ने वाले स्टेशन एवं उनकी विस्तृत समय-सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

उत्तर रेलवे

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

हमें फॉलो करें

खास खबर

ऋषभ पर लगा 30 लाख रुपये जुर्माना

लखनऊ । आईपीएल के अंतिम लीग मैच में हार के साथ ही लखनऊ सुपर जायंट्स को दोहरा झटका लगा है। इस मैच में धीमी ओवर गति के लिए लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत पर 30 लाख रुपये का भारी जुर्माना लगा है। लखनऊ ने तीसरी बार ये गलती की थी। इसलिए जुर्माना इतना ज्यादा लगाया गया है। इससे पहले के मैचों में टीम भी टीम पर दो बार धीमी गति के लिए जुर्माना लगाया गया था। वहीं तीसरी बार ये ही गलती होने के कारण इस बार इम्पैक्ट खिलाड़ी सहित अंतिम ग्यारह के सभी सदस्यों पर व्यक्तिगत रूप से 12 लाख रुपये या उनकी मैच फीस का 50 फीसदी (जो भी कम हो) जुर्माना लगाया गया है। ऋषभ का यह तीसरा अपराध था, इसके बाद भी उन्हें निलंबित नहीं किया जाएगा क्योंकि नियमों में बदलाव हो गया है। आईपीएल 2025 से पहले के नियम में संशोधन किया गया है जिसके बाद अब निलंबन की कार्रवाई बंद हो गयी है। इस मैच में ऋषभ ने शतकीय पारी खेली पर इसके बाद भी उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा है।

गस एटकिंसन वनडे सीरीज से बाहर

लंदन। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन को हैमस्ट्रिंग की चोट के चलते वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर कर दिया गया है। यह सीरीज 29 मई से शुरू होगी, लेकिन इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि एटकिंसन की जगह किसी अन्य खिलाड़ी को टीम में शामिल नहीं किया जाएगा। एटकिंसन को यह चोट हाल ही में नॉटिंघम में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच के दौरान लगी थी। इस मैच में उन्होंने कुल 19.2 ओवर की गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट हासिल किए थे। उनकी चोट इंग्लैंड की तेज गेंदबाजी में एक और बड़ा झटका है, क्योंकि इससे पहले जोफ्रा आर्चर भी इसी सीरीज से बाहर हो चुके हैं। इंग्लैंड टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि एटकिंसन 20 जून से भारत के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे। इस सीरीज में हैरी ब्रूक पहली बार इंग्लैंड की वनडे टीम की कमान बतौर स्थायी कप्तान संभालेंगे।

जितेश की पारी अब तक की सर्वश्रेष्ठ पारी : मूडी

लखनऊ। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर टॉम मूडी ने विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा की लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ अंतिम लीग मैच में खेली पारी की जमकर सराहना की है। इस मैच में टीम की कप्तानी करते हुए जितेश ने 33 गेंदों पर नाबाद 85 रन की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिला दी। इस जीत से टीम को शीर्ष दो टीमों में जगह मिल गयी। इस मैच में जितेश जब बल्लेबाजी करने आये थे तो आरसीबी को जीत के लिए गेंदों पर 105 रन की जरूरत थी। जितेश ने इस दौरान दबाव के बीच ही अर्धशतक लगा दिया। इसी कारण मूडी ने इसे असाधारण पारी करार दिया। मूडी ने कहा, हमने लिए यह पारी आईपीएल के इस सत्र की सबसे बेहतर पारी है। हमने इस दौरान युवा और अनुभवी खिलाड़ियों की कुछ शानदार पारियां देखी हैं पर यह पारी उनसे अलग रही है।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप: इंडियन वॉरियर्स ने किया धमाकेदार आगाज

अफ्रीकन लायंस को 7 विकेट से हराया

अफ्रीकन लायंस ने रखा था 195 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप (आईएलसी) के पहले दिन का आगाज बेहद रोमांचक अंदाज में हुआ। मंगलवार रात उद्घाटन मुकाबले में शिखर धवन की इंडियन वॉरियर्स ने अफ्रीकन लायंस को 7 विकेट से शिकस्त देकर टूर्नामेंट में विजयी शुरुआत की। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफ्रीकन लायंस ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 195 रन बनाए। टीम के लिए शेखर सिरोही ने सिर्फ 26 गेंदों पर 65 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें कई आकर्षक शॉट्स देखने को मिले। अंतिम ओवरों में शिवम शर्मा ने 14 गेंदों में 24 रन जोड़कर स्कोर को मजबूती दी।195 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडियन वॉरियर्स की शुरुआत तूफानी रही। शिखर धवन और कप्तान प्रियांक पांचाल ने पहले छह ओवर में ही 67 रन जोड़ दिए। हालांकि सातवें ओवर में टीम ने दो विकेट खो दिए, लेकिन इसके बाद पारी को पवन नेगी और केदार देवधर ने संभाला। वॉरियर्स की जीत में केदार देवधर ने 39 गेंदों में 60 रन और पवन नेगी ने 28 गेंदों में 57 रन की शानदार पारियां खेलीं। कप्तान पांचाल ने भी 17 गेंदों में तेज 38 रन बनाए। इन तीनों की आक्रामक बल्लेबाजी की बदौलत टीम ने 15 गेंद शेष रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया। मैच के बाद कप्तान प्रियांक पांचाल ने कहा,रपहली जीत बहुत खास है। शिखर धवन जैसे अनुभवी खिलाड़ी के साथ खेलना मेरे लिए सम्मान की बात है। उन्होंने पारी के दौरान लगातार मार्गदर्शन किया, जिससे हमें लक्ष्य तक पहुंचने में आसानी हुई।ह लीग स्टेज 3 जून तक चलेगा, उसके बाद 4 जून को दोनों सेमीफाइनल और 5 जून को रात 7:30 बजे फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

सिंधु सिंगापुर ओपन के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

एजेंसी

सिंगापुर । भारत की शीर्ष महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु सिंगापुर ओपन के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी हैं। सिंधु के अलावा पुरुष वर्ग से एचएस प्रणय ने भी 21-जीत के साथ ही प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। सिंधु ने महिला एकल वर्ग के मुकाबले में कनाडा की वेन यु झांग को सीधे सेटों में 21-14, 21-9 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। ये मुकाबला आधे घंटे में ही समाप्त हो गया। वहीं प्रणय ने डेनमार्क के रासमस गेम्के को एक घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले में 21-19, 16-21, 14-21 से पराजित किया। अब सिंधु का सामना चीन की यू फेई से होगा। वहीं भारत की ही मालविका बंसोड़ और अनमोल खरब हार के साथ ह बाहर हो गये। मालविका को थाईलैंड की सुपनिदा कटेथोंग ने 21-14, 18-21, 11-21 से हराया जबकि अनमोल को चीन की चेन यूफेई ने 21-11, 24-22 से हराया। मिश्रित युगल मुकाबले में भारतीय जोड़ी तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की जोड़ी भी हार के साथ ही बाहर हो गयी।

सिंगापुर ओपन : सत्विक-चिराग की जोड़ी अंतिम 16 में

एजेंसी

नई दिल्ली। सिंगापुर ओपन 2025, बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750 इवेंट में बुधवार को भारत के सत्विकसैराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने पुरुष डबल्स के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली। भारतीय जोड़ी ने मलेशिया के मुहम्मद हाइकाल और चूंग हॉन जियान को 21-16, 21-13 से सिर्फ 37 मिनट में मात दी। मिक्स्ड डबल्स में रोहन कपूर और रुत्विका गड्डे ने अमेरिका की चेन झी यी और फ्रांसेस्का कॉर्बेट को 21-16, 21-19 से 35 मिनट के राउंड ऑफ 32 मैच में हराया। इससे पहले लक्ष्य सेन को अपने राउंड ऑफ 32 मुकाबले के दौरान चोट लगने के कारण मैच छोड़ना पड़ा। उनका मुकाबला ताइवान के लिन चुन-यी से था। मुकाबले में निर्णायक गेम के दौरान स्कोर 21-15, 17-21, 5-13 था जब लक्ष्य मैच से हटे। महिला डबल्स में अमृता प्रमुथेश और सोनाली सिंह को जापान की दूसरी सीडेड जोड़ी, नामी मात्सुयामा और चिहारू शीदा से वॉकओवर मिला।आकार्शी कश्यप और उन्नति हूडा दोनों ने शुरुआती गेम तो जीता, लेकिन बाद में चीन की उच्च रैंकिंग वाली विपक्षी खिलाड़ियों के सामने हार गईं। आकार्शी 21-17, 13-21, 7-21 से तीसरी सीड हान यू के हाथों हार गईं, जबकि उन्नति 21-13, 9-21, 15-21 से दूसरी सीड वांग झी यी से पराजित हुईं। अनुपमा उपाध्याय को ताइवान की सुंग शुओ युन ने 12-21, 16-21 से हराया। दिन के बाकी मुकाबलों में महिला डबल्स की जोड़ी ट्रीसा जॉली-गायत्री गोपीचंद और वैष्णवी खडकेकर-अलीशा खान मैदान में उतरेंगी।

धोनी के साये में विकसित नहीं हो पा रहे सीएसके के नये कप्तान : बांगर

एजेंसी

मुम्बई । पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगर ने आरोप लगाया है कि कि महेन्द्र सिंह धोनी के कारण चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में कोई नया नेतृत्व नहीं उभर रहा है। बांगर के अनुसार धोनी के साये में पहले रविंद्र जडेजा धोनी और उसके बाद रुतुराज गायकवाड़ कप्तान के तौर पर विकसित नहीं हो पाए। बांगर ने कहा है कि धोनी की मौजूदगी से अन्य खिलाड़ियों में स्वाभाविक नेतृत्व क्षमता विकसित इसलिए नहीं हो पा रही है क्योंकि अन्य खिलाड़ी धोनी की नकल करने लगते हैं। उन्होंने कहा कि रुतुराज और जडेजा धोनी के साए में हुए अपनी सोच विकसित नहीं कर पाये। ये दोनो ही धोनी की मानसिकता की नकल करते करने के कारण आगे नहीं बढ़ पा रहे। बांगर की ये बात काफी हद तक सही भी नजर आत है जब भी सीएसके प्रबंधन ने अपनी टीम में नए नेतृत्वकर्ता को आगे किया है वह धोनी के भरोसे काम करने लगता है। इसी कारण सीएसके पिछले दो सत्र से असफल हो रही है। सीएसके पहले कभी नीचें स्थान से नीचे नहीं रही, लेकिन आईपीएल 2025 में हर टीम से वह पीछे हो गयी। सीएसके के लिए एकमात्र सकारात्मक पक्ष युवा खिलाड़ियों, डेवाल्ड ब्रेविस और आयुष म्हात्रे का अच्छा प्रदर्शन रहा है।

आईपीएल फाइनल आरसीबी और पंजाब में होगा : उथप्पा

एजेंसी

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने आईपीएल प्लेऑफ से पहले कहा कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम फाइनल में जगह बनाये। उथप्पा के अनुसार फाइनल मुकाबला आरसीबी और पंजाब में होगा। उन्होंने कहा कि आरसीबी के लिए ये मैच जीता आसान नहीं होगा क्योंकि उसकी मैच को फिनिश करने की क्षमता कमजोर है। उथप्पा ने कहा, मैंने शुरू से ही कहा है, मेरा मानना ??है कि खिताबी मुकाबला पंजाब और आरसीबी के बीच होने वाला है। उनके पास गति है और उन्होंने अच्छी गेंदबाजी शुरू कर दी है पर उन्हें प्रभावी तरीके से मैच समाप्त करने की जरूरत है और विराट कोहली को लक्ष्य का पीछा करने की अपनी भूमिका निभानी होगी। उन्हें 20 ओवर तक बल्लेबाजी करनी होगी तभी विरोधी टीम पर दवाब बनाया जा सकता है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की वापसी से भी आरसीबी को लाभ होगा पर उनके अन्य गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, गेंदबाजों को भी बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत है। मुझे खुशी है कि हेजलवुड वापस आ गए हैं, जिससे अनुभवी गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को भी सहायता मिलेगी।

पीबीबी ने क्रिकेटर को उपहार में दिया गोल्डन आईफोन

मुम्बई । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) एक ओर तो आर्थिक संकट के कारण वेतन तक नहीं दे पा रहा है। वहीं दूसरी ओर उसने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के एक क्रिकेटर को उपहार में गोल्डन आईफोन दिया है। इसके लिए पीसीबी की जमकर आलोचना भी हुई है क्योंकि देश में भुखमरी से हालात हैं। ये गोल्डन आईफोन जिम्बाब्वे के दिग्गज क्रिकेटर सिकंदर रजा को दिया गया है। रजा ने पीएसएल 2025 के फाइनल में लाहौर कलंदर्स के की ओर से 7 गेंद में 22 रन बनाये थे। शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें ये गोल्डन आईफोन उपहार में दिया गया है। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है, जिसमें पहले सिकंदर रजा को एक उपहार भेंट किया गया था पर जब उन्होंने डिब्बा खोला तो उसमें कुछ नहीं था।

अंतर्वाहिनी पीएसी पश्चिम जोन हॉकी प्रतियोगिता का शुभारम्भ

एजेंसी

मुरादाबाद । 24 वीं वाहिनी पीएसी मुरादाबाद में बुधवार को 28वीं पीएसी पश्चिम जोन हॉकी प्रतियोगिता का भव्य शुभारम्भ वाहिनी हॉकी ग्राउंड पर हुआ। तीन दिनों तक चलने वाली इस हॉकी प्रतियोगिता का शुभारम्भ मुख्य अतिथि पुलिस उपमहानिरीक्षक पीएसी बरेली अनुभाग शालिनी ने फीता काटकर व गुब्बारे उड़ाकर किया। सर्वप्रथम आयोजन सचिव सेनानायक रमेश प्रसाद गुप्ता ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। डीआईजी शालिनी ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर रहे पश्चिम जोन की कुल 14 टीम के मैनेजरों से परिचय प्राप्त किया। हॉकी प्रतियोगिता के प्रारम्भ होने से पूर्व मेजबान टीम के कप्तान द्वारा उक्त प्रतियोगिता में सम्मिलित होने वाले जोन के समस्त टीमों के खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में सच्ची खेल भावना से खेलने एवं खेल के नियम व मर्यादाओं का पालन करने की शपथ दिलायी गयी। मुख्य अतिथि पुलिस उपमहानिरीक्षक ने प्रतियोगिता में सम्मिलित होने वाली सभी टीमों के मैनेजरों व खिलाड़ियों को उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन व खेल भावना का पालन करने हेतु निर्देशित कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इसके बाद उन्होंने हॉकी स्टिक से बाल को मारकर प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया। आयोजन सचिव सेनानायक रमेश प्रसाद गुप्ता ने बताया कि प्रतियोगिता के पहले दिन कुल 6 मुकाबले खेले गये। पहला मैच 08वीं वाहिनी पीएसी बरेली तथा 9वीं वाहिनी पीएसी मुरादाबाद के मध्य खेला गया जिसमें 08 वीं वाहिनी पीएसी बरेली 3-0 से विजेता रही। दूसरा मैच 28 वीं वाहिनी पीएसी इटावा तथा 06 वीं वाहिनी मेरठ के मध्य खेला गया जिसमे 28 वीं वाहिनी इटावा 4-0 से विजेता रही। तीसरा मैच 38 वीं वाहिनी पीएसी अलीगढ़ तथा 45 वीं वाहिनी पीएसी अलीगढ़ के मध्य खेला गया। जिसमे 38 वीं वाहिनी पीएसी 6-0 से विजेता रही। शेष मैच अपराह्न में 3 बजे से खेले जाने हैं। इस अवसर पर उप सेनानायक 09 वीं वाहिनी वंशराज यादव, सहायक सेनानायक 24 वीं वाहिनी विक्रांत द्विवेदी, शिविरपाल मोहम्मद हकीमुद्दीन, सुबेदार मेजर राहुल शर्मा, सहायक शिविरपाल विनीत कुमार एवं वाहिनी तथा जोन के अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

हम 40 ओवर अच्छी क्रिकेट नहीं खेल पाए : पंत

एजेंसी

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के आखिरी लीग मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 61 गेंदों पर नाबाद 118 रन की विस्फोटक पारी खेलने वाले ऋषभ पंत ने कहा कि इस बार वह शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने पर फोकस कर रहे थे, जो वह पिछले मैचों में नहीं कर पाए थे। हालांकि, उनकी इस शानदार पारी के बावजूद लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को 227 रन बनाने के बाद भी हार का सामना करना पड़ा। पंत ने इस हार पर कहा, हम 40 ओवर अच्छी क्रिकेट नहीं खेल पाए। मैच के बाद प्रेजेंटेशन में पंत ने कहा, हर मैच के साथ में अच्छा महसूस कर रहा था, लेकिन कई बार चीजें आपके मुताबिक नहीं होतीं। आज मैंने ठान लिया था कि अगर शुरुआत मिलती है तो उसे बड़े स्कोर में बदलना है, जैसे अनुभवी खिलाड़ी करते हैं। सबसे अच्छे खिलाड़ियों से यही सीखा है कि जब मौका मिले तो उसे भुनाओ।ह पंत का यह सीजन बल्ले से बेहद फीका रहा था। इस मुकाबले से पहले वह 12 पारियों में सिर्फ 151 रन ही बना पाए थे। उन्होंने बताया कि इस मैच में उन्होंने सीधा खेलने और गैप्स तलाशने की रणनीति अपनाई, जो पहले काम नहीं कर पा रहे थे। उन्होंने कहा, मैंने सोचा कि गेंदबाज किस एंगल से गेंदबाजी करेंगे और उसी के मुताबिक खुद को ढालने की कोशिश की। सीधा खेलना, गैप्स देखना, सब कुछ सिंपल रखा और हर गेंद को एक जैसी गंभीरता से खेला। एलएसजी की गेंदबाजी इस मैच में खास असर नहीं छोड़ पाई। विल ओ'रूर्क और शाहबाज अहमद ने मिलकर सिर्फ 7 ओवरों में 113 रन लुटा दिए। वहीं फील्डिंग में चूक और दिग्वेश राठी की बैकफुट नो-बॉल, जिस पर प्लेयर ऑफ द मैच जितेश शर्मा को जीवनदान मिला, टीम की हार का कारण बनी।

तीन टीमों को क्वालीफायर-1 में पहुंचाने वाले पहले कप्तान बने श्रेयस अय्यर

एजेंसी

मुम्बई । पंजाब किंग्स के आईपीएल के 18 वें सत्र के क्वालीफायर-1 में शीर्ष पर रहने के साथ उसके कप्तान श्रेयस अय्यर ने एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। यहां तक कि पांच बार की खिताब विजेता रहीं चेन्नई और मुम्बई इंडियंस के कप्तान रहे महेन्द्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा भी ये उपलब्धि हासिल नहीं कर सके हैं। अय्यर की कप्तानी में पंजाब ने मुंबई इंडियंस को हराकर क्वालीफायर-1 में जगह बनायी। इसी के साथ ही अय्यर आईपीएल इतिहास के एकमात्र ऐसे कप्तान बन गए हैं. जिन्होंने तीन टीमों को क्वालीफायर-1 में पहुंचाया है। अय्यर ने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत साल 2018 में की थी। अय्यर की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स साल 2020 में अंक तालिका में दूसरे स्थान पर थी। तब दिल्ली ने क्वालीफायर-2 जीतकर आईपीएल के इतिहास में पहली बार फाइनल में प्रवेश किया था। इसके बाद साल 2024 में अय्यर की कप्तान में कोलकाता नाइट राइडर्स विजेता बनी। इसके बाद भी जब केकेआर ने उन्हें रिटेन नहीं किया तो श्रेयस को नीलामी में पंजाब ने खरीदा। पंजाब का ये फैसला सही रहा और उसे एक दशक बाद क्वालीफायर मुकाबलों में जगह मिली।

फाइनल में जगह बनाने उतरेंगी आरसीबी और पंजाब किंग्स

एजेंसी

मुल्लांपुर। आईपीएल के पहले क्वालीफायर में गुरुवार को पंजाब किंग्स का मुकाबला अपने घरेलू मैदान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। ये दोनो ही टीमें अंक तालिका में शीर्ष दो में रहीं हैं। ऐसे में इनके पास इस मैच के बाद भी खिताबी मुकाबले में जगह बनाने के लिए अवसर है। इसको देखते हुए दोनो ही टीमें निडर होकर मुकाबले में उतरेंगी। दोनो ही टीमों के 19-19 अंक हैं पर रन रेट बेहतर होने के कारण पंजाब पहले जबकि आरसीबी दूसरे स्थान पर है। दोनो ही टीमों ने इस सत्र की शुरुआत से ही काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में दोनो ही जीत की प्रबल दावेदार हैं। पंजाब किंग्स की टीम करीब एक दशक बाद प्लेऑफ में पहुंची है। इससे पहले वह साल 2014 में प्लेऑफ में पहुंची थी। ऐसे में उसका लक्ष्य सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर खिताब जीतना रहेगा। उसके कप्तान श्रेयस अय्यर और कोच रिकी पोंटिंग काफी अनुभवी हैं जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। वहीं दूसरी ओर आरसीबी की टीम क 'बार नॉकआउट चरण हारी है, इसलिए उसका लक्ष्य इस बार खिताब के सूखे को समाप्त करना रहेगा। उसके पास विराट कोहली जैसा अनुभवी खिलाड़ी है जिसका लाभ उसे मिलेगा। अंतिम लीग मैच में उसने लखनऊ सुपरजायंस के खिलाफ मैच में 228 रनों का लक्ष्य भी आसानी से हासिल कर लिया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। टीम की बल्ल बाजी और गेंदबाजी अच्छी है। वहीं श्रेयस अपना लगातार दूसरा खिताब जीतना चाहेंगे। पिछले सत्र में उन्होंने कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को फाइनल में जीत दिलायी थी। इस बार नये कोच रिकी पोंटिंग के साथ मिलकर श्रेयस ने पंजाब टीम को बदलकर रख दिया है। टीम ने लीग चरण में शुरू से लेकर आखिर तक अच्छा प्रदर्शन किया है। कोच और कप्तान खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लेने में सफल रहे। प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य की सलामी जोड़ी ने अय्यर और जोश इंगलिस जैसे खिलाड़ियों के लिए रन बनाना आसान कर दिया है। वहीं फिनिशर शशांक सिंह भी अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभा रहे हैं। मार्कस स्टोइनिस ने भी बल्लेबाजी में अच्छा योगदान दिया है। पंजाब की कमजोरी केवल गेंदबाजी विभाग है। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज मार्को यानसन की स्वदेश वापसी के बाद टीम का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर हुआ है। यानसन ने पावरप्ले और डेथ ओवरों में अच्छे ओवर फेंके हैं। ऐसे में टीम को उनकी कमी खलेगी। काइल जैमीसन भी अब तक उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं हालांकि टीम के मुख्य तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। ऑलराउंडर अजमतुल्लाह ओमरजई को यानसन की जगह शामिल किया जा सकता है। लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल उंगली की चोट के कारण पिछले दो मैचों में नहीं खेल पाए थे। वह इस अहम मैच से वापसी कर सकते हैं। अपनी फ्रेंचाइजी के लिए लंबे समय से बेहतरीन तेज गेंदबाज रहे हैं और उन्होंने खेल के सभी चरणों में अच्छा प्रदर्शन किया है। दूसरी ओर आरसीबी की टीम को तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की वापसी से राहत मिली है। हेजलवुड का प्रदर्शन इस सत्र में काफी अच्छा रहा है। हेजलवुड के अलावा टिम डेविड भी टीम में हैं जिसका भी लाभ आरसीबी को मिलेगा। आरसीबी के कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने अंतिम लीग मैच में जबरदस्त पारी खेली थी। जिसे अब वह दोहराना चाहेंगे।

पेरिस के रोला गैरा में फ्रेंच ओपन टेनिस में खेलती हुई अमेरिका की कोको गाफ।

तनावमुक्त रहना है तो रोज करें वृक्षासन

वृक्षासन यानी पेड़ के समान। यह आसन करने से मनुष्य की आकृति पेड़ के समान हो जाती है। यही कारण है कि इसे वृक्षासन कहते हैं।

इस आसन से न सिर्फ शारीरिक रूप से हमें लाभ पहुंचाता है वरन इसके करने से हमें मानसिक सुकून भी मिलता है। जहां एक ओर वृक्षासन से हमारे शरीर के विभिन्न अंग विशेषों को लाभ पहुंचता है, वहीं दूसरी मानसिक तनाव को भी यह आसन दूर रखता है। कहने का मतलब यह कि मानसिक सुकून चाहिए तो वृक्षासन कीजिए। इसके बारे में विस्तार से जानिए।

इस आसन के लाभ

वृक्षासन के असंख्य लाभ है बशर्ते इसे नियमानुसार किया जाए। साथ ही इसकी सावधानियां भी बरती जाएं। योग विशेषज्ञों की मानें तो वृक्षासन सुबह उठकर किया जाए तो इसका हमें फायदा पहुंचता है। इसके नियमित करते से बेडौल शरीर सुडौल बनता है। जिन्हें घुटने के दर्द की शिकायत है, वृक्षासन करने से उन्हें घुटनों के दर्द से मुक्ति मिलती है। यह आसन उन लोगों के लिए खासकर लाभकर है जिन्हें चलने का काम ज्यादा करना पड़ता है। मसलन यदि आप सेल्स पर्सन हैं या किसी कूरिअर कंपनी में काम करते हैं तो इस आसन को अवश्य करें। इसकी एक वजह यह है कि वृक्षासन हमारे पैरों को मजबूती प्रदान करता है।

इतने में ही वृक्षासन की खूबी खत्म नहीं होती। नियमित वृक्षासन करने से हमारी एकाग्र क्षमता बढ़ती है। एकाग्र क्षमता जो कि हमारे याद्दाश्त की बेहतर होने की निशानी है। यह कहने की जरूरत नहीं है कि मौजूदा दौर में बेहतर कॅरिअर, बेहतर सम्बंध आदि के लिए बेहतर याद्दाश्त कितनी जरूरी है। यह आसन सिर्फ पुरुष करें, ऐसा जरूरी नहीं है। इस आसन में घर की महिलाएं और बच्चों को भी भाग लेना चाहिए।

वृक्षासन पैरों को मजबूत तो बनाता ही है। साथ ही यह स्नायुमण्डल का विकास कर पैरों को स्थिरता प्रदान करता है। यह कमर और कूल्हों के आसपास जमीं अतिरिक्त चर्बी को हटाता है। मतलब यह है कि अगर आपका वजन ज्यादा है यानी आप मोटे हैं तो यह आसन आपको विशेष रूप से लाभ पहुंचा सकता है। चर्बी घटाने के बाद यह आसन शरीर को कमजोर नहीं करता वरन मजबूती देता है। अगर आप अपनी बढ़ती तोंद से परेशान हैं तो इस आसन को अवश्य करें।

कैसे करें यह आसन

सावधान मुद्रा में खड़े हो जाएं। अब दोनों पैरों के बीच कुछ दूरी बनाकर खड़े रहें। फिर हाथों को सिर के ऊपर उठाते हुए सीधा कर हथेलियों को मिला दें।

अब दाहिने पैर को मोड़ते हुए उसके तलवे को बाईं जांघ पर टिका दें। बाएं पैर पर संतुलन बनाते हुए हथेलियां, सिर और कंधे एक ही सीध में हों। जब तक संभव हो ऐसे रहें। कुछ देर बाद अन्य पैर से भी यह दोहराएं।

बरतें सावधानी

हमेशा यह ध्यान रखें कि आसन करने से पहले किसी विशेषज्ञ की राय अवश्य लें। यदि आप स्वयं वृक्षासन कर रहें हैं तो आपको अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है। इसकी एक वजह यह है कि अगर आप वृक्षासन सही से नहीं करेंगे तो हो सकता है कि आसन को सकारात्मक असर की बजाय नकारात्मक प्रभाव देखने को मिल सकते हैं। इसे नियम, समय और सही तरीके का हमेशा ख्याल रखें। यूं तो वृक्षासन सबके लिए हितकर है। लेकिन यह जानना आवश्यक है कि वृक्षासन से किन लोगों को दूरी बनाए रखनी चाहिए। अगर आपको नींद से सम्बंधित कोई शिकायत है या अनिद्रा का रोग है तो इस आसन को न करें। सिरदर्द भी इसे न करने की एक ठोस वजह है। नियमित सिरदर्द की शिकायत वालों को यह आसन तनावमुक्त करने की बजाय तनाव से भर देगा। ब्लड प्रेशर के मरीजों को भी वृक्षासन नहीं करना चाहिए।

एंटीबायोटिक दवाएं खो रहीं अपना असर

बीमारी से जल्द ठीक होने के लिए लोग एंटीबायोटिक्स दवाओं को इस्तेमाल धड़ल्ले से करते हैं। लेकिन अब एंटीबायोटिक दवाओं के असर को लेकर सवाल उठने लगे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि आज के समय में ऐंटीबायोटिक रेजिस्टेंस एक नई समस्या के रूप में उभर रहा है। ऐंटीबायोटिक रेजिस्टेंस वह स्थिति है जिसमें कोई बैक्टीरिया एंटीबायोटिक दवा के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता पैदा कर लेता है।

मोटापा कमजोर कर सकता है बच्चों की हड्डियां

एक नए अध्ययन से पता चला है कि मोटापा बच्चों की मांसपेशियों के साथ ही हड्डियों को भी कमजोर करता है। अध्ययन के अनुसार, मोटापे से जुड़ा एक्सट्रा फैट मांसपेशियों में जमा हो जाता है और यही फैट बच्चों की हड्डियों की कम वृद्धि के लिए जिम्मेदार है। इन स्थितियों से निपटने के लिए बच्चों को उचित आहार और शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से एक स्वस्थ जीवन शैली की ओर प्रेरित करना चाहिए।

बढ़ रहा है बांझपन

आजकल बदलती जीवनशैली ने जहां जीवन का स्तर बदला है, वहीं बहुत सी समस्याओं को भी जन्म दिया है। ऐसी ही समस्याओं की सूची में से एक है इन्फर्टिलिटी। हालांकि इन्फीर्टिलिटी जैसी समस्या पर लोगों का ध्यान भी अधिक समय बाद जाता है जिससे कि यह समस्या और जटिल हो जाती है। खान-पान ,नौकरियों और रहन सहन में आये बदलाव ने जहां जीवन का स्तर बदला है, वहीं कहीं ना कहीं हमारी समस्याएं भी बढ़ाई हैं ।

शारीरिक समस्याओं का सामना

मीडिया, काल सेंटर जैसी नौकरियों में समय की कोई बाध्यता ना होने के कारण व्यक्ति को मानसिक और शारीरिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। समय से ना सोने और जगने से अनिद्रा, डिप्रेशन जैसी समस्याएं होना बहुत ही आम है। इन्हीं समस्याओं की सूची में से एक है 'इन्फार्टिलिटी'। हालांकि इन्फीर्टिलिटी जैसी समस्या पर लोगों का ध्यान भी अधिक समय बाद जाता है जिससे कि यह समस्या और जटिल हो जाती है।

शहरी वातावरण में बढ़ते प्रदूषण और टाक्सिन ने 45 से 48 प्रतिशत इन्फर्टिलिटी के मामले बढ़ा दिए हैं। जीवनशैली में बदलाव और खानपान की गलत आदतें भी अप्रत्यक्ष रूप से इन्फर्टिलिटी की ज़िम्मेदार हैं। पेस्टिसाइड और प्लास्टिक का खानपान के दौरान हमारी फूड चेन में आना हार्मोन के स्तर को प्रभावित करता है। यूनिवर्सिटी आफ नार्थ कैरालिना, चैपल हिल के शोधकर्ताओं ने यह पता लगाया है कि वो महिलाएं जो नाइट शिफ्ट में काम करती हैं उनमें समय से पहले प्रसव की सम्भावना रहती है । बढ़ती इन्फर्टिलिटी के कुछ प्रमुख कारण हैं

अधिक उम्र में विवाह

आज तरक्की और सफलता की चाह में पुरूष और महिला कम उम्र में विवाह नहीं करना चाहते । विवाह के अधिक उम्र में होने पर बच्चे के बारे में सोचने में भी उन्हें समय लग जाता है। महिलाएं भी आज ज्यादा आत्मनिर्भर होने लगी हैं और वो कम उम्र में बच्चा नहीं चाहतीं ।अधिक उम्र में विवाह होने से स्त्रियों में ओवम की क्वालिटी प्रभावित होती है और इन्हीं कारणों से उनमें इन्फर्टिलिटी की सम्भावना भी बढ़ जाती है। दूसरे कारण जो आजकल अधिकांश स्त्रियों में पाये जा रहे हैं वो हैं फाइब्रायड का बनना, एन्डोमैट्रियम से सम्बन्धी समस्याएं। उम्र के बढ़ने के कारण हाइपरटेंशन जैसी दूसरी समस्याएं भी आ जातीं हैं और इनके कारण महिलाओं में फर्टिलिटी प्रभावित होती है ।

काम का दबाव

काम के दबाव के कारण व्यायाम का समय निकालना हर किसी के लिए बहुत मुश्किल होता है । काल सेन्टर और मीडिया की नौकरी में समय की बाध्यता ना होने के कारण काम का दबाव और प्रतियोगिता भी दिनों दिन बढ़ती जा रही है । इन कारणों से पूरी नींद ना सो पाना भी बहुत से लोगों में आम है। हेड आफ गायनाकालाजिस्ट डिपार्टमेंट मिसेज दिनेश कन्सल का कहना है कि आज हमारे जीवन में रिप्रोडक्शन से ज्यादा ज़रूरी हो गयी है हमारी तरक्की और इसी कारण से हमारा ध्यान घर से ज्यादा अफिस के कामों में लगा रहता है। अधिक समय तक काम करने के बाद आफिस से थककर घर आने के बाद अधिकतर कपल्स में सेक्स की इच्छा में भी कमी हो जाती है।

धूम्रपान , कोकीन और स्टेरायड का इस्तेमाल

धूम्रपान , कोकीन और स्टेरायड के इस्तेमाल से सीमेन की गुणवत्ता खराब हो जाती है। धूम्रपान से स्पर्म की गिनती और गतिशीलता कम होती है और यह होने वाले बच्चे में आनुवांशिक तौर पर बदलाव भी कर सकता है । इसी प्रकार से अल्कोहल भी टेस्टोस्टेरोन के उत्पादन को कम करता है। किसी प्रकार की दवाओं या ड्रग्स के गलत तरीके से इस्तेमाल के कारण भी इन्फर्टिलिटी हो सकती है। स्टेरायड जैसे हार्मोन हमारे शरीर के हार्मोन के स्तर में बदलाव लाते हैं जो कि हमारे स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकते हैं। बीमारी होने पर भी चिकित्सक की सलाहानुसार ही दवाएं लेनी चाहिए। हम कह सकते हैं कि विज्ञान ने बहुत तरक्की कर ली है और बहुत सी बीमारियों के उपचार भी ढूंढ निकाले है लेकिन इनफर्टिलिटी जैसी समस्या से निदान पाना कई स्थितियों में बहुत मुश्किल हो जाता है और कभी कभी नामुमकिन। इनफर्टिलिटी के बहुत से कारक हो सकते हैं, लेकिन ऐसी समस्या पर समय पर ध्यान देकर आप मातृत्व और पैतृत्व का सुख उठा सकते हैं अधिक उम्र में विवाह होने पर चिकित्सक का परामर्श लें। अगर आप विवाह के तुरंत बाद बच्चा नहीं चाहते, तो भी चिकित्सक से सम्पर्क करें।

- शराब, सिग्रेट, कोकीन जैसे मादक पदार्शों से दूर रहें।
- अस्वस्थ सेक्सुअल आदतों से बचें।
- स्वस्थ आहार लें और आफिस के बाद सैर पर जाएं या प्रतिदिन व्यायाम के लिए कुछ समय जरूर निकालें।

स्वास्थ्य समस्याएं

हाइपरटेंशन और हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याएं जिन्हें कि बुज़ुर्गों की बीमारी माना जाता था । आज वह युवाओं में भी बहुत आम हो गयी हैं और इनका प्रभाव व्यक्ति की सेक्सुअल लाइफ पर भी पड़ता है । हेड आफ गायनाकालाजिस्ट डिपार्टमेंट मिसेज दिनेश कन्सल जीवनशैली में बदलाव को इन्फर्टिलिटी का कारक मानती हैं । डायबिटीज, पी सी ओ डी (पालीसिस्टमिक ओवरियन डिजीज) के कारण महिलाओं मे बहुत सी बीमारियां आम हो गयी हैं । 60 से 70 प्रतिशत महिलाओं में ओवुलेशन की क्रिया ही नहीं होती ।

वज़न का बढ़ना और व्यायाम की कमी के कारण भी सही मात्रा में हार्मोन नहीं बन पाते। बचपन से ही लोगों में कंप्यूटर और लैपटाप पर बैठना आम है और यह कारण भी कहीं ना कहीं इन्फर्टिलिटी के जिम्मेदार होते हैं।

क्या है सर्दियों में जोड़ों के दर्द का तोड़

जोड़ों का दर्द यानी ज्वाइंट पेन की समस्या आजकल आम होती जा रही है। इस समस्या से परेशान लोगों की मुश्किलें सर्दी के मौसम में और भी बढ़ जाती हैं। पढ़े ऐसे लोगों के लिए क्या-क्या सावधानियां जरूरी हैं।

अमूमन देखा गया है कि सर्दियों में जोड़ों में दर्द की समस्या बढ़ जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि जो लोग पहले से ही इस समस्या से गुजर रहे होते हैं या कहें कि आर्थराइटिस या गठिया के मरीजों में अकसर ठंड के मौसम में यह समस्या बढ़ जाती है। ठंड के मौसम में हमारी रक्त नलियां संकुचित हो जाती हैं, इसलिए जोड़ों का दर्द बढ़ा हुआ जान पड़ता है।

हालांकि इससे कोई नई समस्या पैदा नहीं होती। जिन लोगों में ऐसी कोई समस्या पहले से ही होती है, लेकिन वे इसकी जांच नहीं कराते और इसे दरकिनार करते रहते हैं, उन्हें ठंड के मौसम में ज्यादा परेशानी होने लगती है। इसके अलावा इस मौसम में अधिक उम्र के लोगों, खासकर जिन्होंने पहले घुटने का रिप्लेसमेंट करवाया हो, को जानकारी के अभाव में इस दर्द से दो-चार होना पड़ता है।

ऐसे पहचानें

अगर रोजमर्रा के काम करने में परेशानी हो रही हो, 10 से 15 मिनट चलने के बाद दर्द शुरू हो जाता हो, घुटनों के आसपास सूजन आ रही है तो समझ लें कि जोड़ों की समस्या है। तुरंत डॉक्टरी सलाह लें।

क्या हैं कारण

आज की तनाव भरी जीवनशैली, सूरज की किरणें न मिल पाना, खाने-पीने में कैल्शियम की प्रचुर मात्रा न होना, नियमित रूप से व्यायाम न करना और शरीर को आवश्यक विटामिन डी-3 उपलब्ध न करा पाना आदि सामान्यतः जोड़ों में दर्द की समस्या का सबसे बड़ा कारण हैं। हालांकि कई बार युरिन की परेशानी भी इसका कारण हो सकती है। महिलाओं में हारमोनल डिस्टर्बेंस, मासिक धर्म, मेनोपॉज और तनाव इसका बड़ा कारण माने जाते हैं।

जांच है आसान

एक्सरे, एमआरआई और रक्त की जांच से इसके वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सकता है।

क्या करें

- जोड़ों को खुली हवा से बचा कर रखें। गर्म या ऊनी कपड़े पहने रहें।
- नियमित रूप से व्यायाम करना न भूलें। व्यायाम से शरीर में रक्त का संचार व्यवस्थित होता है, जिससे शरीर का तापमान संतुलित रखने में मदद मिलती है।
- खाने में कैल्शियम, प्रोटीन्स और मिनरल्स प्रचुर मात्रा में शामिल करें।

समस्या को पहचानें

ज्वाइंट पेन का मतलब आर्थराइटिस नहीं होता। 35 साल की उम्र के बाद जोड़ों की समस्या होना सामान्य है। नी-पेन मांसपेशियों के कमजोर होने की वजह से भी हो सकता है।

क्या करें

- दर्द बढ़ता जा रहा हो तो फौरन ऑथरेपेडिक्स की सलाह लें। हालांकि फिजियोथेरेपिस्ट भी एक्सरे और एमआरआई देख कर दर्द का कारण समझ लेते हैं।
- यदि गठिया की समस्या नजर आती है तो हड्डी विशेषज्ञ उसका सही इलाज करते हैं। फिजियोथेरेपिस्ट से सही तरह से व्यायाम करने की जानकारी लेना जरूरी हो जाता है।
- फिजियोथेरेपिस्ट व्यायाम के जरिए आपकी मांसपेशियों की स्टिफनेस को दूर करते हैं और कमजोर हो रही मांसपेशियों को व्यायाम के जरिए मजबूत बनाए रखते हैं

हल्की सर्दी में काम के हैं पोंचू...

किसी जमाने में दादी-नानी के हाथों में क्रोशिया की सिलाई देखी जाती थी और घरों में क्रोशिया से बुने हुए तकिए के कवर, रुमाल, शो पीस और अन्य सामान आसानी से देखे जाते थे। बदलते वक्त और भागदौड़ की व्यस्त जिंदगी में घरों और बाजारों में क्रोशिया की बुनी हुई चीजें गायब होती चली गईं। बाजार में अब क्रोशिया से बने वेस्टर्न और इंडियन आउटफिट का बोलबाला शुरू हुआ है, जिसमें फैशन डिजाइनर नए-नए फ्यूजन के साथ कपड़ों को तैयार कर रहे हैं। इनहें पहनने से आप आकर्षक तो लगते ही हैं, साथ ही फैशन में एक नयापन भी आया है। आज हम आपके सामने क्रोशिया , सिल्क, वूलन आदि से बने पोंचू लेकर आए है जिनहें आप सर्दीयों के मौसम में भी पहन सकती है। दिन की नरम धूप हो या शाम की हल्की सर्दी, ऐसे समय में आपको सेफ रखते हैं पोंचू। इन्हें आप किसी भी ड्रेस के ऊपर पहन सकते है। आपकी सिंपल ड्रेस भी पोंचू से खूबसूरत बन जाती है। चलिए आज आप को बताते हैं पोंचू के भी कई वैराइटीज हैं जिसको लेकर आप एक्सपेरिमेंट कर सकती हैं।

क्रोशिया से बने पोंचू

क्रोशिया से बने पोंचू को गर्मी और सर्दी दोनो मौसम में पहना जा सकता है। गर्मियों में धागे से बने पोंचू और सर्दियों में ऊनी पोंचू पहने जाते हैं। इसे गर्मियों में बोरिंग ड्रेस को ग्लैमरस लुक देने और धूप से बचने के पहना जाता है।

निटेड पोंचू

जहां क्रोशे पोंचू गर्मियों के लिए उचित हैं वहीं निटेड पोंचू आपको ठंड से सुरक्षा देते हैं। ये अपको ट्रेंडी और वार्म लुक देते हैं।

एम्ब्रॉयडेड पोंचू

ये ट्रेडिशनल पोंचू हैं जो कई वैरायटी और पैटर्न व स्टाइल में मिलते हैं। ये बहुत एलेगेंट फैब्रिक में आते हैं।

वूलन फैब्रिक पोंचू

वूलन फैब्रिक पोंचू सर्दियों से बचाव के लिए हैं। इन्हें ऊन से बुना नहीं जाता बल्कि वार्म वुलन फैब्रिक से बनाया जाता है। इनकी गर्माहट इनके फैब्रिक पर डिपेंड करती है। हुडेड और टर्टलनेक पोंचू विद हुड जैसे ज्यादातर पोंचू बच्चों के लिए बनाए जाते हैं।

सिल्क पोंचू

सिल्क पोंचू वजन में हल्के होते हैं जिन्हें आप बतौर एक्सेसरी पहन सकते हैं जो आपके पहनावे को नया लुक देते है।

तनाव घटाने के लिए लोग करते है कुछ ऐसा

आप तनाव महसूस कर रहे हैं। तो आप क्या करना चाहेंगे। जाहिर तौर पर म्यूजिक सुनना चाहेंगे या चहलकदमी करना चाहेंगे। पर दक्षिण कोरिया में आजकल लोग तनाव को भगाने के लिए मरने के बाद की लाइफ में जाना चाहते हैं। और ऐसा महसूस कराने के लिए बाकायदा कंपनियां भी हैं, जो ये काम कर रही हैं। जी हां, दक्षिण कोरिया में लोग 10 मिनट ताबूत में रहते हैं। मरने के बाद की जिंदगी को लेकर धर्मगुरुओं से ज्ञान भी लेते हैं। ताकि वो तनाव को भगा सकें। हैरानी की बात है कि ऐसा करने वाले बाद में कहते हैं कि उन्हें ऐसा करके अच्छा लगा। वांग योंग यो(67) नाम की महिला ने कहा कि 10 मिनिट मरने के बाद की जिंदगी बिताकर मुझमें नया उत्साह आ गया है। ऐसा लगता है कि मुझे नई जिंदगी मिली है। और मैं नई शुरुआत कर सकती हूं। कोरिया में तनाव घटाने के लिए लोग करते हैं मरने के बाद की जिंदगी का अहसास! सोचिए, आप तनाव महसूस कर रहे हैं। तो आप क्या करना चाहेंगे। जाहिर तौर पर म्यूजिक सुनना चाहेंगे या चहलकदमी करना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि मेरी मां मुझसे बहुत प्यार करती थी, वो कम उम्र में ही चली गई। वो बहुत खूबसूरत थी। दक्षिण कोरिया में मॉक फ्यूनरल मतलब मरने के बाद के अंतिम संस्कार का अभ्यास अब नया ट्रेंड बनता जा रहा है। ऐसा कराने के लिए तमाम कंपनियां भी मैदार में उतर चुकी हैं। और अब ये बड़ा बिजनेस बन चुका है।

रेसिपी

पालक मेथी ना मुठीया

सामग्री

2 कप बारीक कटी हुई पालक, 1 1/2 कप बारीक कटी हुई मेथी, नमक स्वादअनुसार, 2 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 2 टेबल-स्पून गेहूं का आटा, 4 टेबल-स्पून बेसन, 1 टेबल-स्पून सूजी, 1/2 टी-स्पून ज़ीरा, 2 चुटकी बेकिंग सोडा, 1/2 टी-स्पून शक्कर, 2 1/4 टी-स्पून तेल, 1 टी-स्पून सरसों, 1 टी-स्पून तिल, 1/4 टी-स्पून हींग

विधि

पालक, मेथी और थोड़े नमक को एक प्लेट में डालकर अच्छी तरह मिला लें और लगभग 5 मिनट के लिए एक तरफ रख दें। सारा पानी नीचोड़कर पालक और मेथी को एक बाउल में रख दें। अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, गेहूं का आटा, बेसन, सूजी, ज़ीरा, बेकिंग सोडा, शक्कर, नमक और 1 टी-स्पून तेल डालकर, बहुत ही नरम आटा गूंथ लें। अपने हाथों में 1/4 टी-स्पून तेल लगाकर आटे को 4 बराबर भाग में बांट लें। प्रत्येक भाग कप लगभग 150 मिमी के लंबे और 25 मिमी व्यास के गोल आकार में रोल कर लें। रोल्स को तेल से चुपड़ी छन्नी में रखकर, स्टीमर में 20-25 मिनट के लिए स्टीम कर लें। निकालकर हल्का ठंडा कर लें और 12 मिमी के स्लाईस में काटकर एक तरफ रख दें। तड़के के लिए, एक गहरे पॅन में बचे हुए 1 टी-स्पून तेल को गरम करें और सरसों और तिल डालें। जब बीज चटकने लगे, हींग डालकर 15 सेकन्ड के लिए भुन लें। स्लाईस्ड मुठीया डालकर हल्के हाथों मिला लें और धिमी आंच पर 2 से 3 मिनट के लिए या हल्का सुनहरा होने तक भुन लें। हरी चटनी के साथ गरमा गरम परोसें।

पोहा ढोकला

सामग्री

1/2 कप जाड़ा पोहा, 1/2 कप सूजी,1 कप दही, 1 टी-स्पून हरी मिर्च की पेस्ट, नमक , स्वाद अनुसार, 1 टी-स्पून फ्रूट सॉल्ट, 1 टेबल-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून सरसों, एक चुटकी हिंग, सजाने के लिए, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ धनिया, परोसने के लिए, ग्रीन चटनी

विधि

दही और 1 कप पानी को गहरे बर्तन में डालकर अच्छे से मिलाइए। अब उसमे सूजी, जाड़ा पोहा, हरी मिर्च की पेस्ट और नमक डालकर अच्छे से मिलाइए और 10 मिनट के लिए एक तरफ रख दिजिए। ढोकला बनाने से पहले, मिश्रण पर फ्रूट सॉल्ट और 2 टी-स्पून पानी उपर से डालिए। जब बुलबले आना शुरु हो, तब मिश्रण को धीरे से मिलाइए। अब 175 mm व्यास की चुपडी हुई थाली में मिश्रण डालकर उसे एकसमान फैलाइए। अब स्टिमर में 10 से 12 मिनट या ढोकला पकने तक स्टिम करे और एक तरफ रख दीजिए। एक छोटा पॅन मे तेल गरम करें और उसमे सरसों डाले। जब सरसों चटखने लगे, तब उसमे हिंग डालिए। मध्यम आंच पर कुछ सेकंड भूनिए और इस तड़के को ढोकले के उपर फैलाइए। थोडा ठंडा होने के लिए एक तरप रखिए और चौकोर आकार में समान काटकर उपरसे धनिया डालकर सजाइए।

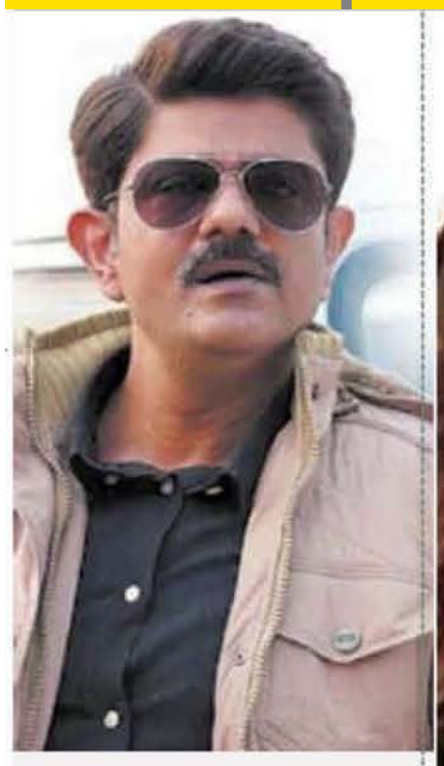

सिनेमा उद्योग में फिल्मों के बढ़ते बजट पर बोले अमित

अभिनेता अमित सियाल इस समय अपनी फिल्म रेड 2 से चर्चा में हैं, जिसमें उन्होंने ऑफिसर की भूमिका अदा की है। अब अभिनेता ने फिल्म इंडस्ट्री में बढ़ते बजट और कलाकारों की हाई फीस पर प्रतिक्रिया दी है और कहा कि निर्माताओं को अपना स्टैंड लेने की जरूरत है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा।

अमित ने फिल्मों के बढ़ते बजट की बताई वजह

अमित सियाल ने हिंदी रश के साथ बातचीत की। उस दौरान अभिनेता से अनुराग कश्यप की टिप्पणी को लेकर सवाल किया गया, जिस पर अमिल सियाल ने बिना किसी का नाम लिए जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'आप किसी ऐसे व्यक्ति को फिल्म में लेते हैं जो बहुत ऊंचे स्थान पर है। आप एक फिल्म निर्माता के रूप में उसके पास जाते हैं और यह अच्छी तरह जानते हुए कि वह एक व्यक्ति और एक्टर के रूप में कैसा है। यह उम्मीद करना कि लोग अचानक एक अच्छे एक्टर या व्यक्ति में बदल जाएंगे और उन्हें अपने स्तर पर लाएंगे, सिर्फ इसलिए कि आपने एक बेहतरीन स्क्रिप्ट लिखी है, यह भ्रम है। वो अपने जीवन से प्रतिदिन आप जैसे 500 लोगों को बाहर फेंक देते हैं।'

शिकायत करने की वजह नहीं है

आगे बातचीत करते हुए अभिनेता ने कहा, मैं समझता हूं कि लागत बहुत ज्यादा है, लेकिन आप जिस तरह की फिल्म बनाना चाहते हैं, उसके लिए आप गलत लोगों को नहीं चुन सकते। आप एक बड़ा सितारा चाहते हैं जो आपको दर्शकों की गारंटी दे, फिर आपको बिना शिकायत किए ये लागतें सहन करनी होंगी। शिकायत करने की कोई वजह नहीं है, अगर आपको लगता है कि कुछ गलत हो रहा है तो ऐसा न करें। किसी ने आपके सिर पर बंदूक नहीं तान रखी है।'

अनुराग कश्यप की किस टिप्पणी पर बोले अमित

अनुराग कश्यप ने लगभग एक साल पहले ह्यूमंस ऑफ सिनेमा के साथ एक इंटरव्यू में अपनी बात रखी थी। उन्होंने कहा था कि अक्सर फिल्म के बजट का एक बड़ा हिस्सा वास्तव में फिल्म बनाने में नहीं जाता है, बल्कि यह साज-सज्जा, एक्टर्स द्वारा दूर-दराज इलाके में खान-पान चीजों की मांग में जाता है।

बिना फायदे वाली चीज पर ध्यान नहीं देती

अभिनेत्री खुशी कपूर अकसर लोगों की आलोचनाओं का शिकार होती हैं। उनकी पहली फिल्म द आर्चीज को अच्छी प्रतिक्रिया नहीं मिली थी। उनकी दूसरी फिल्म नादानियां भी लोगों को पसंद नहीं आई। हाल ही में एक इंटरव्यू में अभिनेत्री ने कहा कि हर फिल्म उनके लिए सीखने का मौका है।

फिल्मों में काम करके हुई सहज

बातचीत में लवयापा अभिनेत्री ने माना कि उन्हें हमेशा से फिल्मों से प्यार रहा है। तीन फिल्मों के बाद वह अपने लिए एक मुकाम पाने में बहुत सहज हो गई हैं। उन्होंने कहा अभिनय के प्रति मेरा प्यार हमेशा से रहा है क्योंकि मैं फिल्म सेट के आस-पास ही पली-बढ़ी हूं। अगर आप खुद कोई विकल्प चुनते हैं तो यह बहुत आसान होता है। मुझे लगता है कि मेरे पास कहने के लिए कुछ है क्योंकि मैंने तीन फिल्में की हैं। मैं अपने विचारों और सोच को थोड़ा और व्यक्त कर सकती हूं।

आलोचनाओं को स्वीकार करना सीख लिया

खुशी ने कहा मुझे लगता है कि जब मैंने शुरुआत की थी, तो मैं बस चुप रहती थी और सुनती थी। इसलिए अब मुझे लगता है कि जब मैं लोगों के साथ काम करती हूं तो मैं अपने विचार व्यक्त कर सकती हूं। 24 साल की खुशी को अब तक फिल्मों के लिए बहुत अच्छी समीक्षा नहीं मिली है, लेकिन खुशी जोर देकर कहती हैं कि उन्होंने बाकी आलोचनाओं को छोड़ते हुए रचनात्मक आलोचना को स्वीकार करना सीख लिया है।

बिना फायदे वाली आलोचना सुनने का कोई मतलब नहीं

खुशी कपूर ने बताया जब आप कुछ पढ़ते हैं या किसी से बात करते हैं तो आप बता सकते हैं कि वे जो कह रहे हैं उसका क्या मतलब है। मुझे लगता है कि रचनात्मक आलोचना को स्वीकार करना जरूरी है। अगर कोई आलोचना वास्तव में आपकी मदद नहीं कर रही है, तो मुझे नहीं लगता कि इसे सुनने का कोई मतलब है।

खुशी कपूर की फिल्में

आपको बता दें खुशी कपूर ने जोया अख्तर के निर्देशन में बनी फिल्म द आर्चीज 2023 में बेट्टी कूपर की भूमिका निभाई थी। एक्ट्रेस ने 2025 में दो फिल्मों में काम किया। पहली जुनैद खान अभिनीत लवयापा और दूसरी नादानियां। नादानियां में इब्राहिम अली खान ने अभिनय किया है।

संदीप रेड्डी वांगा की 'स्पिरिट' से बाहर हुई दीपिका?

'कबीर सिंह' और 'एनीमल' जैसी सुपरहिट फिल्में बनाने वाले निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा इन दिनों अपने नए प्रोजेक्ट 'स्पिरिट' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। इस फिल्म में बाहुबली स्टार प्रभास मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। उनके साथ अभिनेत्री दीपिका पादुकोण के फिल्म में कास्ट किए जाने की चर्चाएं थीं। लेकिन अब इस फिल्म में दीपिका पादुकोण को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। ये खबर बेशक दीपिका के फैंस का दिल तोड़ देगी। 'स्पिरिट' की स्टारकास्ट को लेकर अब एक नई खबर सामने आ रही है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में ये दावा किया जा रहा है कि फिल्म से दीपिका पादुकोण की छुट्टी हो गई है। तेलुगु इंडस्ट्री की कई रिपोर्ट्स में ये कहा जा रहा है कि दीपिका पादुकोण अब इस फिल्म का हिस्सा नहीं रही गई हैं। हालांकि, इस पर अभी तक दीपिका या फिल्म के मेकर्स की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। लेकिन रिपोर्ट्स के हवाले से ये खबर काफी तेज फैल रही है। हालांकि, अभी तक इस खबर की पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में दीपिका के फिल्म से बाहर होने के पीछे भी कई तरह के कारण बताए जा रहे हैं। रिपोर्ट्स में ये कहा जा रहा है कि सेट पर काम करने के घंटों को लेकर भी दीपिका और मेकर्स के बीच सहमति नहीं बन पा रही है। वहीं कुछ रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया जा रहा है कि दीपिका ने फिल्म के लिए 20 करोड़ रुपए की मोटी रकम की मांग की। जो उनकी अब तक की सबसे ज्यादा फीस है। जबकि दीपिका ने अपनी लाइनें भी खुद बोलने से इंकार कर दिया। जिसके बाद संदीप रेड्डी वांगा और दीपिका के बीच तालमेल बिगड़ गया। नतीजा दीपिका को फिल्म से बाहर कर दिया गया। रिपोर्ट्स में ये भी कहा जा रहा है कि दीपिका के बाहर होने के बाद अब मेकर्स फिल्म की नई हीरोइन की तलाश कर रहे हैं। इससे पहले दीपिका की प्रेग्नेंसी की वजह से फिल्म की शूटिंग में देरी हुई थी। हालांकि, बेटी के जन्म के बाद दीपिका ने फिल्म के सेट पर वापसी की थी। लेकिन अब इन नई रिपोर्ट्स के मुताबिक, वो फिल्म से बाहर हो गई हैं।

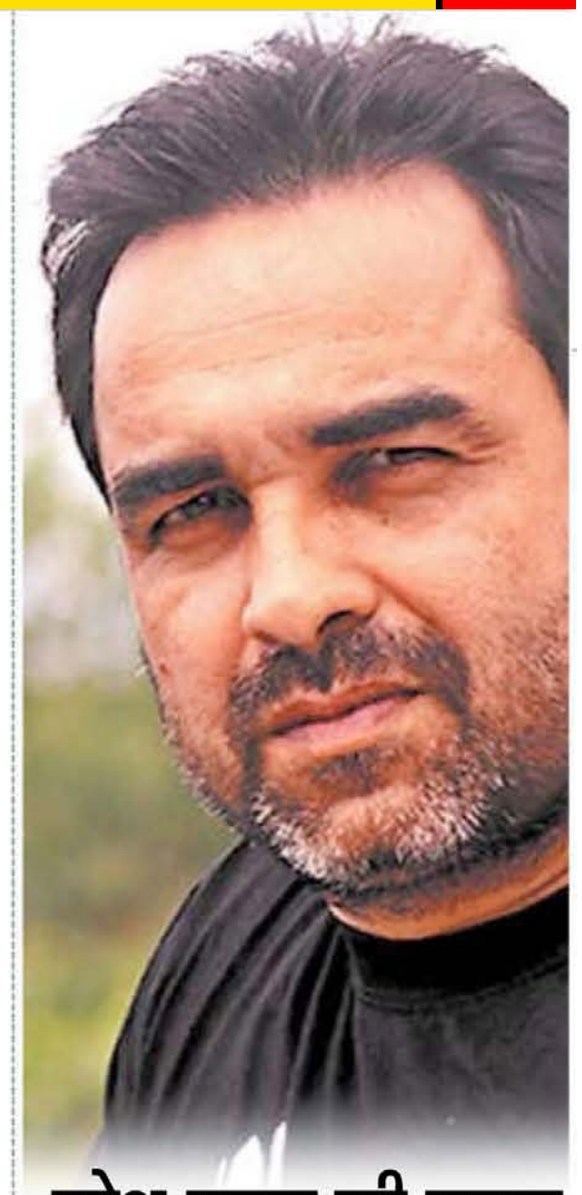

परेश रावल की जगह बाबू भैया के किरदार में दिखेंगे पंकज त्रिपाठी?

दिग्गज अभिनेता परेश रावल के 'हेरा फेरी 3' से खुद को बाहर करने के बाद से ही उनकी जगह पर दूसरे एक्टर को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। आइकॉनिक किरदार बाबू भैया के लिए पंकज त्रिपाठी का नाम सबसे ऊपर आ रहा है। लेकिन क्या वाकई पंकज त्रिपाठी बाबू भैया की भूमिका निभाएंगे? इस पर खुद एक्टर ने अब रिएक्शन दिया है।

पंकज त्रिपाठी ने दी प्रतिक्रिया

'बॉलीवुड हंगामा' के साथ एक इंटरव्यू के दौरान पंकज त्रिपाठी से पूछा गया कि सोशल मीडिया पर लोग उन्हें हेरा फेरी 3 में कास्ट किए जाने की बात कर रहे हैं। इस पर अभिनेता ने जवाब देते हुए कहा कि वो कभी भी खुद को परेश रावल के बराबर नहीं समझते। पंकज ने कहा, 'मैंने भी लोगों की बातें सुनी और पढ़ीं, लेकिन मैं खुद को उस किरदार के लायक नहीं मानता। परेश जी एक बेहतरीन कलाकार हैं। उनके सामने मैं कुछ भी नहीं हूं।'

पकंज त्रिपाठी का नाम सबसे ऊपर

बता दें जहां एक ओर पंकज त्रिपाठी की कॉमिक टाइमिंग और अभिनय की तारीफ होती रही है, वहीं दर्शकों के बीच बाबू भैया का किरदार एक अलग ही भावनात्मक जुड़ाव रखता है। ऐसे में सोशल मीडिया पर फैंस परेश की जगह पकंज त्रिपाठी का ही नाम ले रहे हैं जो इस रोल को अच्छे से निभाने का दम रखते हैं।

परेश रावल ने छोड़ी फिल्म 'हेरा फेरी 3'

परेश रावल के अचानक हेरा फेरी 3 से अलग होने की वजहों पर काफी चर्चा हो रही है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अक्षय कुमार की प्रोडक्शन कंपनी ने परेश रावल पर 25 करोड़ का दावा ठोंका है। आरोप लगाया गया है कि परेश रावल ने फिल्म साइन करने के बाद अचानक शूटिंग बीच में छोड़ दी। हालांकि, परेश रावल ने खुद सोशल मीडिया पर बयान जारी कर साफ किया कि उनके और निर्देशक प्रियदर्शन के बीच कोई क्रिएटिव मतभेद नहीं है और उन्होंने अपनी मर्जी से फिल्म छोड़ी है।

पंकज त्रिपाठी की अपकमिंग सीरीज

फिल्म हेरा फेरी 3 को लेकर पंकज त्रिपाठी ने सीधे तौर पर ना तो हां कहा और ना ही मना किया, लेकिन वह जल्दी ही वेब सीरीज क्रिमिनल जस्टिस 4 में नजर आने वाले हैं। इस सीरीज में उनके साथ जीशान अयूब, मिता वशिष्ठ, सुरवीन चावला और श्वेता बसु प्रसाद जैसे कलाकार भी होंगे। यह शो 29 मई से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने वाला है।

शंघाई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में बतौर जूरी हिस्सा लेंगी किरण राव

27वें शंघाई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का आगाज अगले महीने से होने जा रहा है। इस बार इस प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल में निर्माता-निर्देशक किरण राव भी शिरकत करने वाली हैं। वे बतौर जूरी सदस्य फेस्टिवल से जुड़ेंगी। यह फेस्टिवल चीन के शंघाई में 13 जून से 22 जून 2025 तक आयोजित होने वाले हैं।

किरण ने जताई खुशी

फेस्टिवल में बतौर जूरी सदस्य नियुक्त किए जाने पर किरण राव ने खुशी जताई है। उनका कहना है कि यह सम्मान की बात है। किरण राव के मुताबिक, अंतर्राष्ट्रीय सिनेमा और कहानी कहने को बढ़ावा देने वाले महोत्सव का हिस्सा बनना सम्मान की बात है। मैं स्क्रीन पर विभिन्न प्रकार की आवाजों और नजरियों का अनुभव करने और दुनियाभर के अपने साथी निर्णायकों के साथ जुड़ने के लिए उत्सुक हूं।

ये दिग्गज हस्तियां होंगी शामिल

किरण वैश्विक सिनेमा की प्रतिष्ठित हस्तियों के पैनल में शामिल होंगी, जिसका नेतृत्व इतालवी निर्देशक और पटकथा लेखक ग्यूसेप टॉर्नेटोर करेंगे, जो ऑस्कर विजेता फिल्म सिनेमा पैराडाइसो के लिए जाने जाते हैं। जूरी सदस्यों में सिनेमा से जुड़ी प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल हैं। अर्जेंटीना के फिल्म निर्माता इवान फंड, चीनी अभिनेता और निर्देशक हुआंग बो, यूनानी निर्माता थानासिस कराथनोस, चीनी निर्देशक और डॉक्यूमेंट्री फिल्म निर्माता यांग लीना और चीनी अभिनेत्री योंग मेई इस लिस्ट में हैं।

लापता लेडीज से बटोरी वाहवाही

किरण राव के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनके निर्देशन में बनी लापता लेडीज ने जबर्दस्त तरीके से तारीफें बटोरीं। इस फिल्म में प्रतिभा रांटा, नितांशी गोयल, छाया कदम और रवि किशन जैसे सितारे नजर आए। एक इंटरव्यू में किरण राव ने कहा कि वह इस फिल्म की वास्तविक सीमाओं से रूबरू थीं, क्योंकि इसका बजट कम था। इसमें कोई बड़े सितारे नहीं थे। इसके बावजूद उन्होंने कंटेंट और अपनी टीम पर भरोसा जताया।

बिग बॉस 19 हुआ कन्फर्म, सलमान ही होस्ट करेंगे शो

एक्टर सलमान खान के पॉपुलर शो बिग बॉस 19 को लेकर लंबे समय से सस्पेंस बना हुआ था। कहा जा रहा था कि कलर्स टीवी और प्रोडक्शन हाउस बनीजाय एशिया के बीच अनबन के चलते इस बार शो कैंसिल हो सकता है लेकिन अब फैंस के लिए राहत की खबर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... बिग बॉस का 19वां सीजन अब कन्फर्म हो गया है और शो जरूर आएगा। इसे एंडेमोल शाइन इंडिया प्रोड्यूस करेगा। सबसे खास बात ये है कि इस बार भी सलमान खान ही शो को होस्ट करेंगे। बताया जा रहा है कि सलमान जून के आखिरी हफ्ते में शो के पहले प्रोमो की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। शो जुलाई में ऑनएयर हो सकता है। हालांकि, अभी तक शो के मेकर्स की तरफ से कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुआ है। गौरतलब है कि इससे पहले ऐसी खबरें आई थीं कि शो के बड़े स्पॉन्सर के पीछे हटने की वजह से इसका बजट मुश्किल में आ गया है।

गंदगी मिलने पर एसीईओ ने 50 हजार का जुर्माना लगाया

निरीक्षण में अनुस्थित होने पर एपीई सुशील कुमार का वेतन रोका

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-125 व 126 में रायपुर और बख्तावरपुर के पास मुख्य मार्ग की सर्विस रोड पर गंदगी मिलने पर न्यू माडर्न इंटरप्राइजेज पर 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया। ये जुर्माना नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ संजय खत्री ने लगाया। एसीईओ संजय खत्री ने जीएम जन स्वास्थ्य एसपी सिंह, जन स्वास्थ्य अधिकारी इंदु प्रकाश सिंह व परियोजन अभियंता आरके शर्मा के साथ हरौला , सेक्टर-135 गौशाला व अन्य सेक्टरों का निरीक्षण किया।

हरौला में नाले की साफ-सफाई का काम जल्द शुरू कराने के लिए कहा गया। सेक्टर-37, 133 और 135 नाले का निरीक्षण किया। पाया गया कि कुछ नाले लूज स्लैब से ढके गए है। यहां नाले की सफाई और हटाए गए स्लैबों को दोबारा से रखने के लिए कहा गया। सेक्टर-135 गौशाला नंदी बाडे में खडंजा लगाने के लिए कहा गया। दूध देने वाली और प्रेगनेंट गाय को अन्य गौवंश से अलग रखने के लिए कहा गया। भूसा शेड की मरम्मत कराई जाए। साथ ही सहायक परियोजना अभियंता सेकेंड सुशील कुमार निरीक्षण में उपस्थित नहीं हुए एडेसे में एक माह का वेतन रोकने के निर्देश दिए गए।

लेखपाल के खिलाफ किसान संगठनों का आक्रोश फूटा

सदर तहसील का घेराव कर किया धरना-प्रदर्शन

नोएडा (चेतना मंच)। पाली गांव के किसान परिवार से जमीन की पैमाईश की एवज में 5 लाख रुपए की रिश्वत की मांग करते हुए उनके साथ मारपीट कर घायल करने के विरोध में संयुक्त किसान मोर्चा एवं अन्य संगठनों ने सदर तहसील का घेराव कर धरना प्रदर्शन किया। 24 घंटे में FIR किए जाने और 4 दिन में विभागीय कार्यवाही किए जाने के आश्वासन के बाद धरना फिलहाल स्थगित किया गया। बड़े आंदोलन की चेतावनी।

मालूम हो कि सदर तहसील में सुनील चौधरी एवं डीपी शर्मा लेखपालों और कानून गो कुंवरपाल तथा यतीश गौड़ तथा अन्य तहसील के कर्मचारियों द्वारा पाली गांव के किसान परिवार से रिश्वत की मांग करते हुए की गई मारपीट के विरोध में आज स्यरू नेतृत्व में सदर तहसील का घेराव करते हुए जोरदार धरना प्रदर्शन किसानों ने किया, इस दौरान कई दौर की वार्ताएं भी अधिकारियों के साथ हुईं। तत्पश्चात जल्द कार्यवाही के भरोसे पर संयुक्त किसान मोर्चा ने कुछ समय के लिए धरना स्थगित किया है, और चेतावनी दी है कि किसानों के मान सम्मान से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। दिए गए समें में न्याय नहीं मिला तो व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

इस मौके पर SKM के 14 संगठनों के अलावा किसान सभा के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

यूएई सरकार ने किया डॉ. पीयूष द्विवेदी को गोल्डेन वीजा से सम्मानित

नोएडा (चेतना मंच)। पीयूष द्विवेदी को हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सरकार द्वारा प्रतिष्ठित गोल्डन वीजा प्रदान किया गया है। यह सम्मान उन व्यक्तियों को दिया जाता है जिन्होंने अपने क्षेत्र में असाधारण योगदान दिया हो और वैश्विक स्तर पर देश का नाम रोशन किया हो। डॉ. द्विवेदी कई सफल व्यावसायिक उपक्रमों के संस्थापक हैं और उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार व विकास को नया आयाम दिया है।

उनकी दूरदर्शिता, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक योगदान ने उन्हें व्यवसाय की दुनिया में एक प्रेरणास्रोत बना दिया है। हाल ही में उन्हें फोर्ब्स मैगजीन के कवर पर भी स्थान मिला, जो उनकी अंतरराष्ट्रीय पहचान और प्रभाव का प्रमाण है।

डॉ. पीयूष द्विवेदी ने यूएई गोल्डन वीजा प्रक्रिया में सहयोग देने के लिए यूएई मैं अरशद कुरैशी उन्होंने कहा कि और सतत सहयोग से यह प्रक्रिया सरल और प्रभावी तरीके से पूरी हो सकी। यह सम्मान न केवल डॉ. द्विवेदी की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि यह भारतीय व्यवसाय जगत के लिए भी गर्व की बात है।

माहवारी स्वच्छता के प्रति ग्रामीणों को किया जागरूक

नोएडा (चेतना मंच)। डीएम मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर नट की मंडिया गांव में स्वाभिमान टीम द्वारा होंडा इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सीडीपीओ संध्या सोनी, काशीराम हॉस्पिटल के डॉक्टर्स, विषय विशेषज्ञ विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम में गांव की महिलाओं और किशोरियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य सत्र में डॉक्टर और विषय विशेषज्ञ ने माहवारी स्वच्छता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की और बताया कि इस दौरान स्वच्छता का ध्यान रखना क्यों आवश्यक है। प्रतिभागियों को बताया गया कि अस्वच्छता से स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ सकता है और किस प्रकार स्वच्छता अपनाकर स्वस्थ जीवन जिया जा सकता है।

सत्र के दौरान किशोरियों के लिए जीवन कौशल (लाइफ स्किल) सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें माहवारी से जुड़े मिथकों को तोड़ते हुए वैज्ञानिक और स्वास्थ्य आधारित जानकारी दी गई।

किशोरियों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक ने माहवारी से जुड़ी सामाजिक झिझक और भ्रांतियों को प्रभावशाली ढंग से उजागर किया। इसके अतिरिक्त पोस्टर प्रतियोगिता और प्रभावशाली कहानी(इम्पैक्ट स्टोरीज) का भी आयोजन किया गया, जिसने उपस्थित लोगों को गहराई से प्रभावित किया।

कार्यक्रम के अंत में सीडीपीओ, डॉक्टर और विषय विशेषज्ञ ने अपने विचार साझा किए और स्वच्छता अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। स्वाभिमान टीम ने सभी अतिथियों एवं लाभार्थियों का आभार प्रकट किया और प्रतिभागियों को पुरस्कार भी वितरित किए।

यह आयोजन न केवल माहवारी स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने का माध्यम बना, बल्कि किशोरियों को आत्मविश्वास और जानकारी से सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस का किया निरीक्षण

नोएडा (चेतना मंच)। जिला कार्यक्रम अधिकारी पूनम तिवारी ने ग्राम सलारपुर में ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और उपलब्धता का मूल्यांकन किया और पोषण संबंधी जानकारी और सेवाओं का भी निरीक्षण किया। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने इस दौरान ग्रामीणों से संवाद किया और उनकी स्वास्थ्य और पोषण संबंधी समस्याओं को सुना। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करने और ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि इस निरीक्षण का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करना और ग्रामीणों को स्वस्थ आहार के बारे में जागरूक करना था। निरीक्षण के के दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी के साथ यूनीसेफ के प्रतिनिधि आशीष, क्षेत्रीय मुख्य सेविका अर्चना चतुर्वेदी भी उपस्थित रही।

ग्रेटर नोएडा में एक हजार करोड़ रुपए निगल गए अफसर तथा ठेकेदार!

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में एक हजार करोड़ रुपए प्राधिकरण के अफसर तथा ठेकेदार निगल गए हैं। दरअसल ग्रेटर नोएडा के ग्रामीण क्षेत्र में हुए एक हजार करोड़ रूपये के बड़े घोटाले का खुलासा हुआ है। यह खुलासा होने के बाद ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में हडकंप मचा हुआ है।

ग्रेटर नोएडा के 64 गांवों में 2007 से 2012 तक बसपा शासन, काल के दौरान एक हजार करोड़ की लागत से रास्तों में डाली गई नीवर लाइन गायब हो गई है। इसका पर्दाफाश प्राधिकरण द्वारा गांव के रास्तों को फिर से दुरुस्त कराने के लिए कराए जा रहे विकास कार्यों के दौरान हुआ है। ठेकेदारों ने मरम्मत के लिए रास्तों की खोदाई की तो कई गांवों में सीवर लाइन नहीं मिली। प्राधिकरण में यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि आखिर सीवर लाइन कहां गायब हो गई। सूत्रों का दावा है कि सीवर लाइन डाली ही नहीं गई थी। टैंडर जारी कर ठेकेदारों को प्राधिकरण ने सीवर लाइन डाले बिना ही भुगतान कर दिया गया। फाइलों में कार्य पूर्ण होना दिखा दिया गया। बंदरबाट में अधिकारियों को भी हिस्सा मिला।

प्रदेश में 2007 में बसपा सरकार बनने पर नोएडा व ग्रेनो प्राधिकरण ने गांवों में निर्माण कार्य के टेंडर बड़े पैमाने पर जारी किए। अकेले ग्रेटर नोएडा में सीवर लाइन बिछाने के लिए एक हजार करोड़ से अधिक के टेंडर छोड़े गए।

60 से अधिक ठेकेदारों को निर्माण कार्यों का टेंडर दिया गया। विकास कार्यों के नाम पर उन गांवों में भी सीवर लाइन बिछाने के टेंडर निकाले दिए गए थे, जहां तक मुख्य लाइन नहीं बनी थी। यही कारण है कि गिरधरपुर, पतला खेड़ा, कनारसी, कनरसा, चिरसी आदि दो दर्जन गांवों में लाइन बिछाए जाने के बावजूद सीवर शुरू नहीं हो सके हैं। ग्रामीणों की मांग पर ग्रेनो प्राधिकरण ने हबीबपुर, जलपुरा, कासना, चिपियाना, कुलेसरा, सुनपुरा, वैदपुरा आदि अनेक गांवों में फिर से विकास कार्यों के टेंडर निकाले। ठेकेदारों ने ग्रामीणों की मांग पर सीवर लाइन को भी दुरुस्त करने के लिए खोदाई की तो कई फीट जमीन खोदने के बाद भी वहां सीवर लाइन के पाइप नहीं मिले। रास्ते के नीचे से पाइप गायब मिले। सूत्रों की मानें तो सीवर लाइन के लिए पाइप डाले ही नहीं गए थे। इसी वजह से अब वह नहीं मिल रहे हैं।

बेटी को पहला मासिक धर्म आए, तो परिवार में उसका उत्सव मनाना चाहिए : डॉ. विजया

नई दिल्ली। वर्दीधारी महिलाओं के बीच मासिक धर्म और प्रजनन स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से Shewings फाउंडेशन और हिमवीर वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन (HWWA), ITBP ने संयुक्त रूप से एक जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया। यह सेमिनार 22वीं बटालियन, इंडो-तिब्बतन बॉर्डर पुलिस (ITBP), तिगड़ी कैंप में **अग्रिम तैनाती में महिलाओं के लिए मासिक धर्म और प्रजनन स्वास्थ्य** विषय पर मासिक धर्म स्वच्छता दिवस आयोजित किया गया।

यह कार्यक्रम विशेष रूप से ITBP की महिला कर्मियों के लिए तैयार किया गया था, ताकि उन्हें मासिक धर्म और प्रजनन स्वास्थ्य से जुड़ी सही जानकारी, चिकित्सकीय सहायता और पोषण जागरूकता प्रदान की जा सके।

Shewings के संस्थापक मदन मोहित भारद्वाज ने कहा, महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार देश की जीडीपी को उल्लेखनीय रूप से बढ़ा सकता है। यह पहल स्वास्थ्य परिणामों को बेहतर बनाने स्कूल से अनुपस्थिति को कम करने और महिलाओं की आर्थिक भागीदारी को बढ़ावा देने में मदद करेगी।

इस अवसर पर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. विजया के. राहतकर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए Shewings और HWWA के प्रयासों की सराहना की।

HWWA की अध्यक्ष श्रीमती गौरी रासगोत्रा ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

कार्यक्रम के दौरान अग्रणी स्त्रीरोग विशेषज्ञों डॉ. गौरी अग्रवाल, डॉ. ममता गोयल, डॉ. श्याम सुंदर, डॉ. प्रेर्णा शर्मा, डॉ. प्रीति, बीना मंसुख और हर्षिका को मासिक धर्म स्वच्छता के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।